दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 253 | ग्वालियर, सोमवार, 03 जुलाई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

इस बार क्यों मुमकिन नहीं शरद पवार का अपने भतीजे को मना पाना? अब अजित की घर वापसी होगी मुश्किल

एनसीपी की बगावत से महाराष्ट्र ही नहीं देश भर की राजनीति पर असर पड़ेगा. हालांकि, इस बात के कयास काफी समय से लगाए जा रहे थे कि अजित पवार के मन में क्या कुछ चल रहा है. रविवार (2 जुलाई) को इसकी तस्वीर पूरी तरह से साफ हो गई है. उन्होंने बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन यानी एनडीए का दामन थामकर अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया है. अब सवाल यह उठने लगे हैं कि क्या हर बार की तरह एनसीपी में अंत में सबकुछ ठीक हो जाएगा या इस बार अजित पवार की घर वापसी मुश्किल होगी. दरअसल, एनसीपी में लंबे समय से मतभेदों की खबरें सामने आ रही थी, लेकिन अजित पवार और शरद पवार इन्हें केवल अफवाहों का नाम देकर पार्टी में सबकुछ ठीक होने का दावा कर रहे थे.यहां तक की अजित पवार ने यह तक कहा था कि वह अंतिम दम तक एनसीपी का साथ नहीं छोड़ेंगे. खैर यह तो साफ है कि अजित का यह फैसला जल्दबाजी में लिया हुआ फैसला नहीं है. उन्हें लंबे समय से ही एनसीपी में सियासत के मामले में अलग-थलग होता हुआ देखा जा रहा था. हाल ही

में उन्होंने पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष पद की मांग भी उठाई थी. उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि नेता प्रतिपक्ष नहीं रहना है. एनसीपी चीफ शरद पवार ने पिछले महीने जून में बड़ा बदलाव करते हुए पार्टी की कमान अपनी बेटी सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल के हाथों में सौंप दी थी. दोनों को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था. इस फैसले को अजित पवार के लिए झटके की तरह देखा गया था. तब भी उन्होंने कहा था कि उन्हें इस बात की खुशी है. हालांकि, एक समय तक उन्हें पार्टी अध्यक्ष का दावेदार माना जा रहा था.अजित पवार के बीजेपी में शामिल होने की चर्चा जोरों पर थीं. माना जा रहा था कि बीजेपी के साथ संपर्क में हैं इतना ही नहीं उनकी गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की बात सामने आई थी. अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा ईडी की जांच के दायरे में भी थे. पीएम मोदी ने भी अपने के भाषण में एनसीपी पर आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र स्टेट सहकारी घोटाले और सिंचाई घोटाले का जिक्र किया था. इन्हीं घोटालों में अजित पवार का नाम भी शामिल था. इन्हीं सब मनमुटाव और ईडी के डर से उनका एनसीपी में वापस जाना नामुमकिन लग रहा है.

लोकसभा चुनाव से पहले मोदी और शाह को महाराष्ट्र से कैसे मिली बड़ी राहत? अजित पवार बने बड़ी वजह

महाराष्ट्र में रविवार (2 जुलाई) का दिन सियासी भूचाल लाने वाला रहा. एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के एक फैसले ने महाराष्ट्र में बीजेपी का पलड़ा भारी कर दिया है. अजित पवार को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाने के बाद खुद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसे तीन इंजन वाली सरकार बताया है और उनका स्वागत करते हुए कहा कि अब उनकी सरकार को ट्रिपल इंजन मिल गया है. महाराष्ट्र में हुए इस सियासी उलटफेर ने केंद्र की मोदी सरकार को भी बड़ी राहत दी है. लोकसभा चुनाव 2024 में एक साल से भी कम का समय बचा है और उससे पहले महाराष्ट्र में आया राजनीतिक भूचाल बीजेपी के हक में आया है. अजित पवार ने बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन यानी एनडीए का दामन थामकर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लोकसभा चुनाव से पहले बड़ी राहत दी है. चलिए आपको समझाते हैं एनसीपी की इस टूट का लोकसभा चुनाव में बीजेपी को कैसे फायदा होगा.दरअसल, महाराष्ट्र में लोकसभा की 48

सीटें हैं, जोकि उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नंबर पर हैं. एनसीपी की महाराष्ट्र में अच्छी खासी पकड़ है. एनसीपी चीफ शरद पवार को विपक्षी दलों के संभाविक महागठबंधन का सूत्रधार माना जा रहा है. इसी बीच अब उनके परिवार में ही फूट पड़ गई है. सियासी गलियारों में चर्चा है कि अगर लोकसभा चुनाव से पहले सभी विपक्षी दल एकजुट हो जाते हैं तो इससे कहीं न कहीं बीजेपी के लिए खतरा तो होगा ही. पहले शिवसेना और अब एनसीपी में हुई बगावत से दोनों पार्टियां दो धड़ों में बंट गई हैं. शिवसेना का शिंदे गुट पहले से ही एनडीए के साथ है. अब अजित पवार का साथ मिलने से राज्य में बीजेपी की ताकत और बढ़ गई है. अजित पवार की बगावत को इसलिए लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है. एकनाथ शिंदे ने अजित पवार के गठबंधन का हिस्सा बनने के बाद खुद कहा, ÷कैबिनेट में सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय है. हम महाराष्ट्र के विकास के लिए एक साथ आए हैं. विपक्ष को लोकसभा चुनाव में 4-5 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार वे ऐसा करने में भी कामयाब नहीं होंगे. विपक्ष को उतनी सीटें मिलना भी मुश्किल होगा.

आजत पवार की बगावत विपक्ष के लिए बड़ा झटका! अब महाराष्ट्र में विपक्षी एकता का क्या होगा

महाराष्ट्र में उठे सियासी तूफान के काले बादल विपक्षी एकता पर भी मंडराने लगे हैं. एक तरफ सभी विपक्षी पार्टियां लोकसभा चुनाव-2024 से पहले एकजुट होने का प्रयास कर रही हैं. वहीं इन सबके विपक्ष के महागठबंधन के सूत्रधार माने जा रहे शरद पवार के कुनबे में ही फूट पड़ गई है. उनके भतीजे और एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार बगावत कर चुके हैं. वे पार्टी के कई विधायकों के साथ एनडीए में शामिल हो गए हैं.अजित पवार ने रविवार (2 जुलाई) को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम के पद की शपथ लेने के साथ ही एनसीपी पर अपना दावा ठोक दिया है. उन्होंने कहा कि पार्टी के नाते हमने ये फैसला लिया है. सभी विधायक हमारे साथ हैं, पार्टी के सांसद हमारे साथ हैं. पार्टी के कार्यकर्ता हमारे साथ हैं. हमने एनसीपी पार्टी के साथ इस सरकार का समर्थन किया है. हम सभी चुनाव एनसीपी के नाम पर ही लड़ेंगे. एनसीपी में हुई इस बगावत के बाद महाराष्ट्र में विपक्षी एकता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं. विपक्षी दलों की बैठक और कांग्रेस का समर्थन करने को ही एनसीपी के विद्रोह का कारण भी बताया जा रहा है. चर्चा है कि शरद पवार के राहुल गांधी के साथ जाने की वजह से अजित पवार और लेकिन इसके लिए शरद पवार की मंजूरी जरूरी थी. ये भी चर्चा है कि कई एनसीपी नेता नहीं चाहते

एनसीपी के दूसरे नेता नाराज नाराज थे. इसी वजह से अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी के नेता बीजेपी के साथ जाने को राजी हुए.सियासी गलियारों में चर्चा है कि अजित पवार और एनसीपी के ज्यादातर नेता पहले से ही महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार को समर्थन देना चाहते थे, कि राहुल गांधी आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों की ओर से पीएम उम्मीदवार बनें. इन वजहों से ही एनसीपी में बगावत हुई है. इस बात की पुष्टि एनसीपी प्रवक्ता प्रो. नवीन कुमार ने भी की है. उन्होंने एबीपी न्यूज़ से कहा कि पार्टी में बगावत की ये नौबत क्यों आई है?

मुख्तार अंसारी के वकीलों पर खर्च हुए थे 55 लाख, अब पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह और जेल मंत्री से वसूलेगी पंजाब सरकार

पंजाब सरकार की भगवंत मान सरकार ने माफिया मुख्तार अंसारी को

वकील देने के मामले में बड़ा फैसला लिया है. मुख्तार अंसारी के वकीलों की फीस के 55 लाख रुपये पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह और पूर्व जेल मंत्री सुखजिंदर रंधावा से वसूले जाएंगे. भुगतान न करने की स्थित में उनकी पेंशन से पैसा काटा जाएगा.पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज रविवार, 2 जुलाई को कहा कि अंसारी को पंजाब जेल में रखने पर हुए 55 लाख रुपये का भुगतान राज्य सरकार नहीं करेगी. यह पैसा पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह और पूर्व जेल मंत्री सुखजिंदर रंधावा से वसूला जाएगा. मान ने आगे कहा कि यदि वे दोनों पैसे का भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो उनकी पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाएं रद्द करके इसकी वसूली की जाएगी.इसके पहले अप्रैल महीने में पंजाब सरकार ने वकील की फीस के भुगतान की फाइल वापस लौटा दी थी. सुप्रीम कोर्ट के वकील ने मुख्तार अंसारी का केस लड़ा था. जानकारी के मुताबिक, एक सुनवाई के लिए 11 लाख रुपये की फीस तय की गई थी.सीएम भगवंत मान ने इसकी जानकारी देते हुए कहा था कि यूपी को अपराधी को आराम और सुविधा के साथ रोपड़ की जेल में रखा गया. महंगे वकील दिए गए, 55 लाख का खर्च आया. फाइल लौटा दी गई है

पटना और दरभंगा में एनआईए की छापेमारी, आईएस आई से जुड़ा एक शख्स गिरफ्तार

बिहार के दरभंगा और पटना में पीएफआई कनेक्शन की खबरें सामने आ रही हैं, जिसके मद्देनजर एनआईए और एटीएस संयुक्त रूप से छापेमारी कर रही है. यह छापेमारी शनिवार रात से की जा रही है. साथ ही बहेरा थाना क्षेत्र के छोटकी बाजार में शमीउल्ला नाम के युवक को एनआईए की टीम ने हिरासत में लिया. बताया जा रहा है कि यह मामला पीएफआई से जुड़ा है. एनआईए की 20 लोगों की टीम ने रविवार (2 जुलाई) को युवक से करीब 4 घंटे की पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया और युवक से पीआर बाउंड पेपर भरवा लिया. गाजियाना गांव के चार युवकों से भी पूछताछ कर एनआईए की टीम वापस लौट गई. सूत्रों के मुताबिक, युवक पटना के मदरसे में रहकर पड़ाई कर रहा था और अरबी भाषा ट्रांसलेट करने में माहिर था. इतना ही नहीं युवक के आईएसआई से भी संबंध हैं. जानकारी के मुताबिक, एनआईए और एटीएस ने पटना में फुलवारी शरीफ के इमारत

सरिया के पास बनी एक दुकान में भी छापेमारी की. युवक पटना में रहकर पढ़ाई करता था. दरअसल, पिछले दिनों एनआईए और एटीएस की जांच में पीएफआई की गतिविधियों का खुलासा हुआ था, जिसके बाद एजेंसियां एक्टिव हुई और मामले को लेकर छापेमारी शुरू कर दी. सूत्रों के मुताबिक, दरभंगा के साथ-साथ पटना के इमारत-ए-शरिया के पास एक दुकान पर छापा मारा गया तो सामने आया कि यहां पर कई धार्मिक किताबें खरीदी और बेची जा रही थी. एनआईए को आशंका है कि यही से धार्मिक उन्माद फैलाने की गतिविधियां संचालित की जा रही है. वहीं दूसरी ओर एनआईए और एटीएस की टीम ने पटना पुलिस के साथ मिलकर जिस बुक स्टॉल पर छापेमारी की वो दुकान किसी मोहम्मद रियाजउद्दीन कासमी की बताई जा रही है हालांकि अभी तक ऐसा कुछ हासिल नहीं हुआ है. जांच में रियाजुद्दीन ने एनआईए की टीम को कहा है कि अगर किसी तरह की आपत्तिजनक बुक मिलती है तो उसकी जांच ले जाकर कर सकते हैं.

रामदास अठावले का बड़ा दावा- नीतीश कुमार के साथ भी ऐसा ही.

महाराष्ट्र की राजनीतिक उथल-पुथल के बीच केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा, अजित पवार कुछ समय से नाराज थे. क्योंकि वह चाहते थे कि एनसीपी, बीजेपी के साथ गठबंधन करे लेकिन शरद पवार इसके लिए तैयार नहीं थे. मैं अजित पवार के फैसले का स्वागत करता हूं. यह बड़ा बदलाव है और एनसीपी और एमवीए के लिए बड़ा झटका है. उन्होंने तंज भरे लहजे कहा कि एनसीपी चीफ शरद पवार और सुप्रिया सुले वे बचे हुए लोगों के साथ काम करेंगे. नीतीश कुमार पर हमलावर अंदाज में अठावले ने कहा, हम विपक्षी एकता के साथ कोई ऑपरेशन नहीं करते, लोग ही पीएम नरेंद्र मोदी के साथ हैं. उन्होंने दावा किया कि बिहार में बहुत सारे नेता और विधायक नीतीश कुमार से नाराज हैं. नीतीश कुमार पहले पीएम नरेंद्र मोदी के साथ आए फिर चले गए इसलिए लोग परेशान हैं. वहीं, पीएम मोदी की तारीफ करते हुए रामदास अठावले ने कहा कि मोदी विकास पुरुष हैं. वह सबको साथ लेकर चलते हैं. दलित हों, पिछड़े हों या अल्पसंख्यक हों, सभी लोग पीएम मोदी का साथ देते हैं. इसलिए पूरे देश में माहौल पैदा हो रहा है. जैसा महाराष्ट्र में हुआ है वैसा बाकी के राज्यों में हो सकता है. हमारी एनडीए 2024 तक और भी ज्यादा मजबूत हो सकती है.बता दें कि अजित पवार ने एनसीपी के स्थापना दिवस के दिन ही पार्टी नेतृत्व से मांग की थी कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष की भूमिका से मुक्त करते हुए पार्टी संगठन में कोई भूमिका दी जाए

सिकल सेल एनीमिया, जिसका जिक्र कर पीएम मोदी ने विपक्ष पर साधा निशाना?

प्रधानमंत्री ने आदिवासी समाज को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने आदिवासी समाज के साथ देश के अलग-अलग इलाकों में एक लंबा समय गुजारा है. सिकल सेल एनीमिया, यह एक ऐसी बीमारी है जो बहुत ही ज्यादा कष्टदायी होती है. उन्होंने कहा कि ये बीमारी न पानी से होती है और न हवा से. ये अपने माता-पिता से बच्चे में आती है. इस बीमारी से पीड़ित बच्चे अपनी पूरी जिंदगी इसी से जूझते रहते हैं. यह एक ऐसी बीमारी है जो कि सालों से परिवारों को बिखेरती आई है. इस बीमारी से आधे मामले सिर्फ अपने देश में होते हैं. हैरानी की बात ये है कि इतनी गंभीर बीमारी होने के बाद भी देश में पिछले 70 सालों में इसे खत्म करने को लेकर कोई कदम नहीं उठाया गया. पीएम मोदी ने इसी संबोधन के दौरान कहा कि आज हम संकल्प लेते हैं कि भारत में हर साल सिकल सेल एनीमिया की गिरफ्त में आने वाले 2.5 लाख बच्चों और उनके परिवारजनों को इस बीमारी से बचाएंगे. क्या है सिकल सेल एनीमिया?सिकल सेल एनीमिया इंसान के रक्त से जुड़ा एक डिसऑर्डर है जो कि वंश दर वंश ट्रांसफर होता है. यह बीमारी सीधे तौर पर रेड ब्लड सेल्स को प्रभावित करती है और यह रेड ब्लड सेल ही इंसान के शरीर में ऑक्सीजन ले जाने का काम करती है.आमतौर पर रेड ब्लड सेल्स गोल आकार की होती है और इसके आकार के कारण ही यह आसानी से इंसानी शरीर में मूव हो पाता है. लेकिन सिकल सेल एनीमिया के मरीज में इसी रेल ब्लड सेल्स का आकार बदल जाता है और सख्त हो जाता है.रेल ब्लड सेल के सख्त होने के कारण शरीर में खून का बहाव धीमा हो जाता है या रुक जाता है. आमतौर पर मरीज में इस बीमारी के लक्षण 6 महीने की कम उम्र में दिखने लग जाते हैं. शरीर के रेड ब्लड सेल्स प्रभावित होने के कारण ऑक्सीजन का फ्लो बिगड़ जाता है और पूरे शरीर में ऑक्सीजन का फ्लो घटने पर मरीज

थकान से जूझने लगता है. **कैसे होती है यह बीमारी**-सकल सेल एनीमिया बीमारी की पहचान एक रोग अनुवांशिक बीमारी के तौर पर होती है. अगर आसान भाषा में इसे समझा जाएं, तो ये कुछ ऐसा है. जैसे हर इंसान को उसके माता-पिता के जरिए जीन मिलते हैं. जिन लोगों को सिकल सेल बीमारी होती है, उन्हें अपने माता-पिता से दो %फॉल्टी हीमोग्लोबिन जीन% मिलते हैं, जिन्हें हीमोग्लोबिन-स कहा जाता है. यानी की पिता से एक और माता से एक हीमोग्लोबिन-स जीन. किसी व्यक्ति को ये बीमारी तब होती है, जब उसे माता या पिता में से किसी एक से हीमोग्लोबिन-स जीन मिलता है, जबकि दूसरे से सामान्य हीमोग्लोबिन जीन, जिसे हीमोग्लोबिन७ जीन कहा जाता है, मिलता है. अगर किसी में सिकल सेल के लक्षण हैं, तो वह आगे भी किसी को हीमोग्लोबिन-स जीन दे सकता है. इसका मतलब है कि जब उसका बच्चा होगा, तो वह उसे हीमोग्लोबिन-स जीन दे सकता है. अब होता ये है कि बच्चे को माता या पिता में से किसी एक से हीमोग्लोबिन-स जीन मिल गया और दूसरे से फॉल्टी हीमोग्लोबिन-ष्ट जीन, हीमोग्लोबिन-ष्ठ जीन या हीमोग्लोबिन-श्व जीन मिल गया तो उस बच्चे को सिकल सेल बीमारी होने का खतरा होता है. ऐसा इसलिए क्योंकि उसे माता और पिता दोनों से ही विरासत में फॉल्टी हीमोग्लोबिन जीन मिले हैं. सिकल सेल से मरीजों को क्या परेशानी होती है? -अगर किसी बच्चे को सिकल सेल बीमारी होती है, तो पहले कई महीनों तक उसके लक्षण ही नहीं दिखाई देते हैं. हालांकि, जब लक्षण दिखाई देना शुरू होते हैं, तो इसमें सबसे आम लक्षण एनीमिया होता है, जिसकी वजह से बहुत ज्यादा थकान होना या बेचैनी होना शामिल होता है. इसके अलावा हाथ और पैर का सूज जाना और पीलिया होना भी सिकल सेल बीमारी के लक्षण में शामिल है. इस बीमारी की वजह से बच्चों के स्प्लीन यानी प्लीहा को नुकसान पहुंच सकता है, जो इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है और बच्चे बैक्टीरियल इंफेक्शन का शिकार भी बन जाते हैं. दूसरी ओर, जब सिकल सेल से जूझने वाले लोग बड़े होते हैं, तो उनके शरीर में और भी ज्यादा गंभीर बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जो जानलेवा होते हैं. कई बार शरीर के अंदरूनी अंगों को पर्याप्त ऑक्सीन नहीं मिलता है. सिकल सेल के मरीजों को दिल का दौरा पड़ने, फेफड़े, किडनी और लीवर के डैमेज होने का भी खतरा होता है. कई लोगों के लीवर में सूजन आ जाती है, तो कइयों को पित्ताशय में पथरी से जूझना पड़ता है. इसलिए अगर किसी को इस तरह की दिक्कतें आएं तो वह तुरंत सिकल सेल की जांच करवा ले. मिया के कितने मरीज?सिकल सेल एनीमिया को खतरनाक बीमारी इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसके मरीजों की अचानक मौत हो जाती है.

इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन शिवपुरी मध्य प्रदेश की मासिक बैठक संपन्न

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -आज इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन की मासिक बैठक तात्या टोपे पार्क में जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई को धूमधाम से मनाने के लिए चर्चा की गई । चर्चा में स्थान का चुनाव, तैयारी ,शहीदों को श्रद्धांजलि, मुख्य अथिति आदि बिन्दुओं पर चर्चा हुई। भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए क्या कदम उठाना चाहिए ,आर्म्स लाइसेंस रिन्यूवल, अमर शहीद की समाधि स्थल पर शहीद स्मारक कैसे बने? क्या कार्रवाई करना चाहिए ?वहां पर पार्क कैसे बने ? जमीन का पट्टा शहीद के नाम कैसे हो ? इनविषयों पर चर्चा की गई । गत 26 अक्टूबर 2022 को अमर शर्मा शहीद हुए थे तब से आज तक भूमि का सीमांकन तक नहीं हुआ , नहीं कलेक्टर साहब ने पंचायत के प्रस्ताव को पास किया । इस संदर्भ में इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के सदस्यों को कलेक्टर साहब से मिलकर अपनी समस्या का हल करवाना चाहिए । आर्म्स रिन्यूवल के संदर्भ में कलेक्टर साहब से मिलकर बात करेंगे । बैठक में सीएसडी के लिए स्टेशन कमांडर साहब से मिलकर समस्या का कोई हल निकालने का कोशिश करेंगे ।पिछले

सालों में हर महीने ग्वालियर से कैंटीन आती थी, लेकिन अब वह भी नहीं आ रही है, सभी लोग कैंटीन की सुविधा से वंचित हैं। इसलिए हम लोग मिलकर स्टेशन कमांडर से बात करेंगे । ईसीएचएस की भी समस्या हल नहीं हुई है । कोई भी इपैनल्ड हॉस्पिटल शिवपुरी में नहीं है । जिससे हमारे भूतपूर्व सैनिक , उनके बच्चे , वीर नारियो, विधवाओं का इलाज कराने के लिए ग्वालियर जाना पड़ता है। या अपने खर्चे पर इलाज करवाना पड़ता है । हमने सभी से जिला सैनिक कल्याण बोर्ड शिवपुरी लाने के लिए बार-बार रिक्वेस्ट की लेकिन किसी ने भी हम लोगों की बात नहीं सुनी ।इसके लिए हम लोग स्टेशन कमांडर से मिलकर के बात करेंगे । हमारे जवानों का एक महत्वपूर्ण पॉइंट और आया है कि भूतपूर्व सैनिकों के लिए जितनी भी वैकेंसी आती हैं वहां पर भिंड मुरैना और ग्वालियर के एक्स सर्विसमैन को दे दी जाती हैं। क्योंकि यह सर्विस ग्वालियर के सैनिक कल्याण बोर्ड के द्वारा दी जाती है हमारा सैनिक कल्याण बोर्ड गुना कुछ नहीं करता है। हम लोग जब तक गुना से कार्रवाई करवाते हैं तब तक सभी जगह बाहर के लोगों से फुल हो जाती हैं । हमारे जवान बेरोजगार घूमते रहते हैं जो अभी 34 साल 36 साल 40 साल की उम्र में ही रिटायर होकर आ जाते हैं इस समय हमारी पारिवारिक जिम्मेदारी अधिक होती हैं । पैसे की अधिक आवश्यकता होती है ।ऐसे समय में सर्विस न मिले तो समस्याएं और बढ़ जाती है। संबंधित अधिकारियों से विनम्र निवेदन करता हूं की जवानों की समस्याओं का हल किया जाए । हम बिजली विभाग , फॉरेस्ट विभाग के अधिकारियों से आग्रह करते हैं की हमारे भूतपूर्व सैनिकों को शिवपुरी में सर्विस दी जाए क्योंकि यहां भर्तियां अधिक होतीं है लेकिन बाहर के लोगों की। अतः संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा ग्वालियर के सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारियों से अनुरोध करता हूं कि हमारे लोकल भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का निदान करें । और उन्हें सर्विस देने की कृपा करें। बैंकों में भी गार्ड की भार्ती होती है उसमें भी लोकल एक्स मैन को वरीयता दी जाए । कलेक्टर साहब से अनुरोध करेंगे कि कोई प्राइवेट अस्पताल में वो सुविधाएं हो जो इंपैनल्ड हॉस्पिटल के लिए आवश्यक हैं । जिससे प्राइवेट हॉस्पिटल को इंपैनल्ड बना सकें, उस हॉस्पीटल का रजिस्ट्रेशन जबलपुर से हो सके। शिवपुरी में भूतपूर्व सैनिकों के लिए सुविधा ना होने के कारण हमारे जवान ग्वालियर , झांसी , जबलपुर , भोपाल , और जयपुर आदि जगहों पर चले जाते हैं, और अपने परिवार से दूर रहते हैं जिस कारण अपने माता-पिता की सेवा नहीं कर पाते हैं , क्योंकि सैनिकों के लिए मूलभूत सुविधाएं भी शिवपुरी में नहीं हैं। इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने संगठन को मजबूत बनाने और महिला विंग में अपनी महिलाओं को अधिक से अधिक जोड़ने के लिए निवेदन किया। हमारे यूथ विंग में समाज के अच्छे वर्ग के लोग प्रोफेसर , डॉक्टर , अध्यापक , इंजीनियर ,पत्रकार आदि शामिल हों, हमारे सेंटर फोर्सेज बीएसएफ, आइटीबीपी , सीआरपीएफ, सीआईएसएफ के रिटायर्ड जवानों को अपने संगठन में जोड़ें । जिससे कि संगठन उनकी भी समस्याओं का हल कर सके । अभी बरसात का मौसम चल रहा है हम लोगों को मिलकर पेड़ पौधों को लगाना चाहिए , वृक्षारोपण करें शिवपुरी को और सुंदर बनाएं ।समय-समय पर रक्तदान देकर मरीजों की जान बचाए । समाज के लिए , समाज हित में नशा मुक्ति के लिए प्रयास करें , स्वयं को भी नशा मुक्त करें और समाज को एक नई दिशा दें । इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह यादव , जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा , कोषाध्यक्ष अजय कुमार तिवारी, कोऑर्डिनेटर बृजेश कुमार राठौर , कोऑर्डिनेटर विशाल जोशी , शिवपुरी शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत , वेटरन ताज भान सिंह , वेटरन रामदास आर्य , वेटरन केदार सिंह परमार, वेटरन कैलाश सिंह जादौन ,वेटरन दलवीर सिंह तथा वेटरन मोहन सिंह राजपूत उपस्थित थे । अंत में उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

घरेलू हिंसा की पीड़ित महिलाओं के लिए राज्य शासन की सहायता योजना

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- महिलाओं पर होने वाली घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण कानून में पीड़िता को व्यापक प्रावधान है । कई बार अपनों के हिंसात्मक व्यवहार से महिलाओं को स्थाई शारीरिक क्षति हो जाती है ।राज्य सरकार ने घरेलू हिंसा पीड़िता के लिए सहायता योजना की शुरुआत की है । इस योजना के तहत अब महिला या बालिका को किसी अंग की स्थाई क्षति के फलस्वरूप 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता पर 2 लाख तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता पर 4 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा । इस मुआवजे के लिए पीड़ित या उसके आश्रित की ओर से घटना के एक वर्ष के भीतर संबंधित क्षेत्र के महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी (संरक्षण अधिकारी) अथवा प्रशासक वन स्टॉप सेंटर को आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ घटना की एफआईआर प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा।मेडिकल बोर्ड शारीरिक क्षति का आंकलन कर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति को प्रतिवेदन देगा, जिसके आधार पर समिति द्वारा मुआवजे की स्वीकृति दी जाएगी।

अज्ञात आरोपी के द्वारा की गई चोरी का खुलासा

रौन पुलिस द्वारा 8 घण्टे में ही आरोपी को चोरी के माल मशरुका सहित किया गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के निर्देशन एवं एसडीओपी लहार अवनीश बंसल के मार्गदर्शन मे ग्राम नौंधा थाना रौन मे दिनांक 01/07/2023 व 02/07/2023 की मध्य रात्रि दरमियान हुई चोरी मे अज्ञात आरोपी को महज 08 घंटे मे गिरफ्तार किया गया।दिनांक 02 जुलाई 2023 को ग्राम नौधा की रहने वाली फरियादिया कलावती पति स्व. दुर्गाप्रसाद कुशवाह उम्र 58 वर्ष नि. नौंधा के यहाँ दिनांक 01/07/2023 एवं 02/07/2023 को किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा घर के ताले तोडकर एवं घर मे अंगर कमरे मे रखे पेटी बक्से के ताले तोडकर एक जोडी सोने की झुमकी,एक जनाना अँगूठी,चाँदी की एक करधौनी पाँच लर की, दो जोडी तोडिया एवं बिछिये तथा 3000 रुपये नकदी चोरी कर लिये थे । उक्त घटना पर से थाना रौन पर अपराध क्रमांक 142/2023 धारा 457, 380 भादवि का पंजीबद्ध किया।अपराध के आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु एसडीओपी लहार अवनीश बंसल द्वारा थाना प्रभारी रौन निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपीगण की पतारशी हेतु रवाना किया गया। टीमो के द्वारा तत्काल आरोपीगण की पतारशी की जाकर महज 08 घण्टे मे 02 जुलाई 2023 को अपराध कारित किये जाने वाले आरोपी को ग्राम नौधा से गिरफ्तार किया गया एवं अपराध मे चोरी गया मशरुका कीमती करीबन 2,00,000 रुपये का जप्त किया गया।उक्त कार्यवाही में रौन थाना प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह , उपनिरीक्षक विवेक प्रभात,आरक्षक विपिन जाट, सूरज जाट,रवि कदम,कौशल जाट की सराहनीय भूमिका रही।

मोटरसाइकिल का बिगड़ा संतुलन, जीजा साले दोनों हुए गंभीर घायल

मालनपुर थाना 108 इमरजेंसी एंबुलेंस बनी जीवनदायिनी , 108 एंबुलेंस के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी द्वारा घायल युवक को शीघ्र पहुंचाया गया समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।मालनपुर जानकारी के अनुसार घटना शनिवार रात्रि 08:30 बजे की है, पंकज पिता ब्रजकिशोर कुशवाह उम्र 35 साल निवासी डिरोली पार तहसील सेवड़ा जिला दतिया, पंजाब में रहकर पानीपुरी का काम करके अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है पंकज अपने साले अवधेश पिता रामानंद कुशवाह 16 साल निवासी, सूरजपुरा थाना एडोरी को मोटरसाइकिल से शनिवार रात 8:30 बजे ग्वालियर से अपनी ससुराल छोड़ने जा रहा था, परंतु मालनपुर निकलते ही पाना नदी के पुल से पहले बने मंदिर के पास पहुंचते ही अनजान कारणों के चलते पंकज की बाइक असंतुलित होकर रोड पर गिर पड़ी बाइक असंतुलित होते ही पंकज का सर रोड किनारे पर पड़े पत्थर से टकरा गया।पत्थर पर सर पडते ही पंकज का सर फट गया,और वह पूरी तरह

खून से लहूलुहान हो गया, उधर उसका साला अवधेश भी किसी चीज से टकरा गया जिससे उसके सर में और आंख में भी गंभीर चोट आई, वही मंदिर पर रह रहे पुजारी और राहगीरों ने जल्दी से दोनों गंभीर युवकों की खराब हालत देखी तो उन्होंने शीघ्र हड्डेड डायल और 108 इमरजेंसी एंबुलेंस को फोन कर दिया, मालनपुर थाना 108 इमरजेंसी एंबुलेंस 8056 के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी शीघ्र ही अपने साथी ई,एम,टी विपिन यादव के साथ शीघ्र घटनास्थल पर पहुंचे, दोनों घायलों की गंभीर अवस्था को देखते हुए उन्हें पंकज और अवधेश को शीघ्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद में भर्ती करवा कर इलाज चालू करवाया तब तक अवधेश के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए, पंकज और अवधेश के प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल ऑफिसर ने पंकज की गंभीर अवस्था को देखते हुए मालनपुर थाना 108 एमरजैंसी, एंबुलेंस के द्वारा ही ग्वालियर जय रोग अस्पताल के लिए आपातकालीन नंबर 108 पर फोन लगाकर रेफर कर दिया।घायलों को ग्वालियर भर्ती करा दिया गया है।

सात दिवसीय एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन

पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

बेंगलुरू. सीरवी समाज आईमाता बडेर आनेकल में सात दिवसीय एक्युप्रेशर, सजोक वाईब्रेशन एवं मैग्नेट चिकित्सा शिविर का शुभारंभ रविवार को सुबह हुआ। शिविर का आयोजन आईमाता के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। संस्था के सचिव रतनलाल भायल ने बताया की रोजाना सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे व शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक शिविर चलेगा । आज शिविर में समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने चिकित्सा का लाभ लिया। । डॉ. एम.ए. चायनान ने बताया कि शिविर में एक्युप्रेशर, सुजोक, वाईब्रेशन एवं मैग्नेट चिकित्सा से मरीजों के शरीर के विभिन्न अंगों के दर्द व उससे संबंधित पॉइंट सहित विभिन्न प्रकार की चिकित्सा प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष ढगलाराम बर्फा , सह -सचिव मुकनाराम आगलेचा ,सलाहकार मदनलाल चोयल, भोमनहली वडेर के कार्यकारिणी सदस्य भगाराम, तेजाराम एवं आनेकल वडेर के कार्यकारिणी सदस्यों ने शिविर में मौजूद रहकर सहयोग दिया ।

कबीर साहेब गुरूद्वारे में चौका आरती भंडारा कार्यक्रम संपन्न

खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

टांडा बरूड़ निप्र नगर बरूड़ में नयापुरा मोहल्ले में स्थित संत श्री कबीर साहेब गुरूद्वारे में हर वर्ष अनुसार इस वर्ष भी सतगुरु धाम में दो दिवसीय भजन कीर्तन के साथ ही चौका आरती भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया था इस अवसर पर शनिवार को रात्रि 8 बजे से देर रात तक भजन कीर्तन आरती कर हलवे की प्रसादी वितरण की दुसरे दिन रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर एक बजे तक भजन कीर्तन कर आरती कर प्रसाद वितरण के बाद भंडारा कार्यक्रम शाम तक जारी रहा रात्रि में भजन कीर्तन रात भर चलता रहा मध्यरात्रि 3 बजे चौका कार्यक्रम के बाद हलवा प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर ग्राम सहित आसपास के क्षेत्र की संत मंडली ने गुरूद्वारे में चौका आरती भंडारा कार्यक्रम में शामिल होकर गुरूदेव के दर्शन कर अपने मानव जीवन को धन्य किया इस दौरान विषेश सहयोगी सतनाम सर भगवान कुमरवत चंपालाल कुमरावत सत्यनारायण कुमरावत कन्हैया निगम कुमरावत सहित सभी संत मंडली का सहयोग रहा उक्त जानकारी गुरुद्वारे के संचालक कैलाश महाराज ने दी पत्रकार के सुचना संकलन पत्रकार प्रेम लाल कुमरावत द्वारा जानकारी दी गई

अमेरिका, दुबई, सिंगापुर समेत भारत के कोने-कोने से आये भक्तों ने बनाया गुरु पूर्णिमा पर्व पर जयपुर को वास्तविक गुलाबी नगरी

राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत शिक्षाविदों, राजनेताओं, चिकित्सकों ने तहेदिल से सराहा जयगुरुदेव बाबा उमाकान्त जी के शाकाहारी नशामुक्ति के सन्देश व अभियान

जयपुर (राजस्थान)परम सन्त बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी संत बाबा उमाकांत जी महाराज के सानिध्य में जयपुर में चल रहे तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम में अमेरिका दुबई सिंगापुर समेत कई देशों के साथ-साथ भारत के तमिलनाडु उड़ीसा बिहार मध्य प्रदेश दिल्ली गुजरात उत्तराखंड आदि राज्यों से भारी संख्या में गुलाबी वस्त्रों में आए भक्तों ने जयपुर को वास्तविक गुलाबी नगरी बना दिया है। कार्यक्रम के दुसरे दिन दिए संदेश में बाबा जी ने बताया कि नामदान देते समय सतगुरु जीव की डोर काल से लेकर अपने हाथ में ले लेते हैं और उसे अपने असला घर वतन पहुंचा कर ही दम लेते हैं चाहे चार जनम ही क्यों न लग जाएँ। कार्यक्रम में आयोजित सम्मान समारोह में आये राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत शिक्षाविदों, राजनेताओं चिकित्सकों ने बाबाजी के शाकाहारी सदाचारिता व नशामुक्ति के अभियान की भूरी-भूरी प्रशंसा की। राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जी ने कहा कि आज मानव को अध्यात्म से जुड़ने की जरुरत है। वैतरणी पार करने का तरिका बताने वाले केवल एक समरथ गुरु की जरुरत होती है, यही जीवन की पूंजी है। यहां कार्यक्रम में आने वालों की ऊर्जा और आभा ही अलग है। शिक्षाविद डॉ संगीता रोतेला जी ने बताया कि आज बाबा उमाकान्त जी से नामदान प्राप्त कर मेरी तो जीवन दिशा ही बदल गयी। बाहरी पूजा-पाठ से आगे अब अंदर की साधना की विधि जो बाबाजी ने बताई है उस पर आगे बढ़ूँगी। मुझे विश्वास है कि ये जयगुरुदेव नाम मेरे जीवन में चमत्कार सिद्ध होगा। जयपुर एसएमएस के यूरोलोजिस्ट डॉ सुमेंद्र बंसल ने बताया कि मैं अपने चिकित्सकीय अनुभव से बताता हूँ कि बीमारियों की जड़ शराब और मांसाहार है। इनका त्याग करें। राजस्थान सरकार में केबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बताया कि भारत को दुनिया में अलग खड़ा करने का रास्ता बाबाजी ही बताते हैं। स्मार्ट बनना है तो जयगुरुदेव जी के रास्ते को पकड़ लो, मन खुश, चेहरे पर तेज अपने आप आ जायेगा। गुरुजी बिना भेदभाव के सही रास्ता दिखाते हैं। पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल जी ने बताया कि शाकाहार श्रेष्ठ आहार है। दुःख को सुख में बदलने की क्षमता सन्त में होती है और सन्त के बताये

अनुसार रहने पर तो दुःख आता ही नहीं हैं। देश-विदेश में लाखों अनुयायी वाले ये बाबा उमाकान्त जी भी ऐसे ही सन्त हैं। पुरस्कृत शिक्षक फोरम के डॉ रामेश्वर प्रसाद ने बताया कि सभी जगह बाबाजी के शाकाहारी बनने, गौ माता को राष्ट्रीय पशु बनाने के स्लोगन देखता आ रहा हूँ। इनके पीछे बहुत सी गंभीर बातें छुपी हैं। मैंने आजमाइश कर रही हैं, जयगुरुदेव नाम से बहुत से कष्ट अपने आप मिट जाते हैं। बाबाजी के अनुयायी तो उनकी बातों का 100त पालन करते ही हैं बाकियों को भी करना चाहिए। हम आपका सन्देश विद्यार्थियों और अभिभावकों तक पहुंचाएंगे। ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि यही मंच देश को आगे बड़ा सकता है। बाबाजी के प्रवचन एक दिन भी सुन लिए और अपनी 2 बुराई भी छोड़ दी तो आना सार्थक है। बाबाजी के आशीर्वचन प्रेरणादायक और समाज के लिए मिसाल है। इनके दर्शन कर जीवन धन्य हो गया। आशुतोष जी ने कहा कि बाबा उमाकान्त जी ने भारत के साथ-साथ कई देशों में भी शाकाहार नशामुक्ति की अलख जगाई है। कुछ समय पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में बाबाजी के कार्यक्रम में 32 देशों से आये प्रेमियों ने यही बताया। इनके इस कार्यक्रम में दक्षिण भारत से और ऐसे मंदिरों के मठाधीश भी आये हैं जिनके मंदिर में बलि चड़ती थी और बाबाजी का सतसंग जिन्होंने सुनकर बलि प्रथा बंद कर दी। जरुरतमंदों हेतु सोमनाथ, केदारनाथ, अयोध्या राम मंदिर आदि कई तीर्थ स्थानों पर बाबाजी की तरफ से उनके भक्त निःशुल्क भंडारे कोरोना काल से ही चलाते आ रहे हैं। ये बाबाजी लोक-परलोक दोनों बनाने का तरीका बताते हैं। सबको सपरिवार विशेषकर बच्चों को साथ जरुर लाना चाहिए ताकि उनमे संस्कार अच्छे पड़ें। बार एसोसिएशन हाई कोर्ट जयपुर के पूर्व महा सचिव प्रहलाद शर्मा ने बताया कि बाबाजी की विचारधारा को पूरे देश में फैलाने की जरुरत है। दुनियावी विद्या गुरु करने के बाद अब इन आध्यात्मिक गुरु को करने की जरुरत है।

त्रिकोणिय मुकाबले में 111 मतों से मंडलोई बने अभिभाषक संघ अध्यक्ष

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

खरगोन। न्यायालय परिसर में अभिभाषक के चुनाव सम्पन्न हुए। सुबह 11 से शाम 5 बजे तक चली चुनाव प्रक्रिया के दौरान अध्यक्ष पद के लिए त्रिकोणिय मुकाबले में प्रकाश मंडलोई अध्यक्ष चुने गए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद अभिभाषको ने निर्वाचित पदाधिकारियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। चुनाव प्रक्रिया के चलते दिनभर अभिभाषक संघ कार्यालय के बाहर समर्थकों का जमावड़ा लगा रहा। शाम 5.30 बजे अभिभाषक संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की गई। निर्वाचन अधिकारी पुरुषोत्तम सोहनी और पंकज भोंसले ने बताया कि सुबह 11 से 3 बजे तक चली मतदान प्रकिया में 233 सदस्यों में से 215 सदस्यों ने मतदान किया। अध्यक्ष पद के लिए विशाल पाराशर, बद्री नारायण जोशी ओर प्रकाश मंडलोई ने दावेदारी की थी। प्रकाश मंडलोई 111 मतों से विजयी घोषित किए गए। उपाध्यक्ष पद के लिए संतोष जायसवाल, राजेंद्र सिंह परमार, महेश रेवलिया ने दावेदारी की, इनके बीच त्रिकोणिय मुकाबले में संतोष जायसवाल 139 मतो से विजयी घोषित हुए। इनके अलावा कोषाध्यक्ष पद पर राहुल जोशी, सचिव पद पर रविंद्र यादव और सह- सचिव पद पर ओमप्रकाश पाटीदार निर्विरोध चुने गए। इसके अलावा सह- सचिव व कोषाध्यक्ष भी निर्विरोध चुने गए। 8 6 सदस्यीय कार्यकारिणी सदस्यों के लिए 8 लोगों ने दावेदारी की थी, जिनमें अनिरुद्ध यादव, मनीष पंवार, राजू चौहान, चंदन सिंह चौधरी, गोविंद चौहान निर्वाचित हुए, जबकि रंजना वर्मा निर्विरोध चुनी गए। चुनाव अधिकारी सोहनी ने बताया चुनाव कार्यक्रम 1 माह 10 दिन से चल रहा था, जिसका आज चुनाव परिणाम के साथ समापन हुआ।

जात धर्म नहीं देखेंगे,जो पुरानी पेंशन बहाल करेगा वोट उसी को देंग नीलेश शर्मा

अधिकारीयो एवं कर्मचारियों ने पेंशन नहीं तो वोट नहीं की ली महाशपथ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ,भिण्ड के तत्वाधान में सभी विभाग के शासकीय अधिकारी व कर्मचारियों ने पेंशन नही तो वोट नही महा शपथ का कार्यक्रम का आयोजन दयाल वाटिका भिण्ड में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अलावा राजस्व विभाग पंचायत विभाग,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका,स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सभी विभागों के कई विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्यअतिथि संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीतेश शर्मा रहे।उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा इस बार कर्मचारियों के वोट किसी जात -धर्म या संप्रदाय को देखकर नहीं दिए जाएंगे कर्मचारी उसे वोट देगा जो हमारी पुरानी पेंशन बहाल करेंगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश प्रवक्ता गिरिराज सिंह भदौरिया द्वारा की गई । पुरानी पेंशन बुढ़ापे की लाठी तो है ही साथ ही एक सम्मान का प्रतीक भी है, हमें अभी ? 50000 तनख्वा मिल रही है और जब रिटायरमेंट होता है,तो एमपीएस के रूप में एक हजार, बारह सौ रुपए दिए जाते हैं,जिससे एक सिलेंडर भी नहीं आता।टीकम सिंह कुशवाह ने कहा कि अगला चुनाव पुरानी पेंशन पर ही किया जाएगा जो कर्मचारी 62 वर्ष तक सेवाएं देता है,उसे पेंशन नहीं जबकि नेताओं को एक बार शपथ लेने पर ही पेंशन शुरू हो जाती है यह नीति विरुद्ध है।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की जिलाध्यक्ष साधना भदौरिया ने बहुत ही मार्मिक शब्दों में सरकार से पुरानी पेंशन बहाली करने की बात कही कार्यक्रम में शकुंतला कुशवाह एवं टुंडे खान को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया इन्हें एनपीएस के रूप में क्रमशः 1318 रुपए एवं ? 600 पेंशन के रूप में दिए जा रहे हैं, जब की इनका अंतिम वेतन 52000 और 38000 रुपये था।जिलाध्यक्ष गगन शर्मा के द्वारा पेंशन नहीं तो वोट नहीं की महाशपथ सभी कर्मचारीयो एवं अधिकारियों को दिलवाई गई। शासकीय कर्मचारियों की बात का समर्थन करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार गणेश भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में कहा की कर्मचारियों को उनकी पेंशन मिलनी चाहिए यह मानवाधिकार के अंतर्गत भी आता है,उन्हें भी अपने सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान के साथ जीने का अधिकार शासन प्रशासन को देना चाहिए।उक्त कार्यक्रम में आजाद अध्यापक संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संतोष लहरिया,जिला अध्यक्ष आनंद सिंह भदोरिया,वरिष्ठ अध्यापक संघ के सत्यवान सिंह भदोरिया एडीपीसी, टीकम सिंह कुशवाह प्राचार्य अमायन, राजस्व प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर,पंचायत सचिव जिला अध्यक्ष राजेश सिंह भदोरिया,स्वास्थ्य विभाग से रवि जोशी,पूर्व बीआरसी सत्येंद्र सिंह कुशवाह,शैलेंद्र सिंह सेंगर प्राचार्य हवलदार सिंह का पुरा,प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज शुक्ला,महिला अध्यक्ष उषा दीक्षित मंचासीन रहे।कार्यक्रम के संयोजक ब्रह्मानंद दिवाकर एवं धर्मेंद्र महेश्वरी द्वारा किया गया पूरे कार्यक्रम का संचालन मंच का संचालन जिला अध्यक्ष गगन शर्मा द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में सभी शासकीय कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए टेंशन नहीं तो वोट नहीं की शपथ लेकर सरकार से मांग की कि हमारी पुरानी पेंशन शीघ्र बहाल की जानी चाहिए।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष यादव,राम सजीवन भारद्वाज,मीनाक्षी यादव,अशोक चौहान,चंद्र रामकुमार तिवारी,अवस्थी,गजेंद्र चंदेल,ओम चतुर्वेदी,देवी सिंह वर्मा,मुकेश राठौर, मयंक खंडेलवाल,पूजा,पुष्पा,नरेश चंद्र तिवारी,मीना ओझा,आभा सिंह,राव राजा सिंह,श्याम नारायण तिवारी, अमित शर्मा,राजेश थापक एवं हजारों की संख्या में पेंशन विहीन सैकड़ों की तादाद में कर्मचारी एकत्रित हुए।

गांधी चौपाल में नारी सम्मान के फार्म भरें गए

पुष्पांजली टुडे

अकोश । भिण्ड की अकोश नगर पंचायत भिंड में गांधी चौपाल लगाकर एवं नारी सम्मान के फार्म भरे इस अवसर पर गांधी चौपाल के जिला प्रभारी अरविंद सोनी ने कहा आज महंगाई के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी बात नहीं करना चाहती और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए लोगों को गुमराह करती है और कांग्रेस पार्टी कहती है चाहे युवाओं को नौकरी देने की बात है आज भारतीय जनता पार्टी के शासन में नौकरी को खत्म किया है आज हमारे मध्य प्रदेश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है यह बात किसी से छिपी नहीं है,इस दौरान नयन सिंह राजावत ने कहा कमलनाथ जी की सरकार में किसानों के कर्ज माफ किए गए थे करीबन 100 महिलाओं के फॉर्म भरे गए एवं इस अवसर पर देवेंद्र चतुर्वेदी मनीष चतुर्वेदी अमित चतुर्वेदी अजीम खान बीजेपी से 25 लोगों को कांग्रेस में शामिल किया गया।शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष दर्शन सिंह तोमर एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं गांधी चौपाल प्रभारी अरविंद सोनी एवं अमित शिवहरे,प्रदेश महामंत्री नयन सिंह राजावत, खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष राजेश कुमार शाक्य, रिंकू यादव,पूर्व नगर अध्यक्ष रामप्रवेश शर्मा,रवि यादव उमरी,कमलेश यादव गांधी चौपाल प्रभारी मधु यादव इन महिलाओं के फॉर्म भरे गए गीता बघेल,निशा बानो, रवीना खान,पिंकी जाटव,रमाबाई पार्वती बघेल,मुन्नी देवी,प्रेमलता, रामवती आधी महिलाओं के फॉर्म भरे गए।

विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु जनजाति महासंघ ने किया जनजागरूकता अभियान कार्यक्रम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विमुक्त घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति महासंघ भिण्ड इकाई ने 02 जुलाई रविवार को रंजना नगर भिण्ड मे जन जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम किया।जिसमें शहरी क्षेत्र के पाल, बघेल समाज के सामाजिक बन्धुओ को विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु जाति प्रमाण पत्र के माध्यम से शासन की योजनाओं जैसे शैक्षणिक योजनाये,आर्थिक विकास योजनाएं एवं अन्य योजनाओं की समस्त जानकारियों से अवगत करकर समाधान किया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडवोकेट आर. बी. सिंह बघेल जिला प्रभारी एवं प्रदेश विधि सलाहकार ने कहा कि समस्त मध्यप्रदेश में विमुक्त घुमंतु एवं अर्द्ध घुमन्तु जनजाति महासंघ समाज के सर्वांगीण

विकास के साथ राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहा है।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बदन सिंह बघेल ने कहा कि घुमन्तु अर्द्ध घुमन्तु प्रमाण पत्र समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा 7 जिस परिवार की आर्थिक स्तिथि ठीक नही है उनके बच्चों को इस प्रमाण पत्र से बेहतर शिक्षा का अधिक लाभ मिल सकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज के वरिष्ठ अभिभाषक जय श्रीराम बघेल ने कहा की विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु जनजाति महासंघ भिंड जिले में सराहनीय कार्य कर रहा है । समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य जिसमे महिलाये, बुजुर्गों,युवा एवं बालक बालिकाओं के प्रमाण पत्र बनवा कर शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।कार्यक्रम का संचालन मिडिया प्रभारी विकलांग बल प्रदेश सचिव प्रो. सौरभ बघेल, द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम आयोजन विजय कुमार बघेल शिक्षक के द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में फौजदार सिंह बघेल,राम सिंह बघेल , समाजसेवी विपिन बघेल, राजकमल बघेल,मुकेश बघेल,गोटी राम बघेल,देवेंद्र,धर्मेंद्र और देवेंद्र बघेल सहित एक सैकड़ा से अधिक सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

जात धर्म नहीं देखेंगे,जो पुरानी पेंशन बहाल करेगा वोट उसी को देंगे : नीलेश शर्मा

अधिकारीयो एवं कर्मचारियों ने पेंशन नहीं तो वोट नहीं की ली महाशपथ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ,भिण्ड के तत्वाधान में सभी विभाग के शासकीय अधिकारी व कर्मचारियों ने पेंशन नही तो वोट नही महा शपथ का कार्यक्रम का आयोजन दयाल वाटिका भिण्ड में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अलावा राजस्व विभाग पंचायत विभाग,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका,स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सभी विभागों के कई विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्यअतिथि संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीतेश शर्मा रहे।उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा इस बार कर्मचारियों के वोट किसी जात -धर्म या संप्रदाय को देखकर नहीं दिए जाएंगे कर्मचारी उसे वोट देगा जो हमारी पुरानी पेंशन बहाल करेंगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश प्रवक्ता गिरिराज सिंह भदौरिया द्वारा की गई । पुरानी पेंशन बुढ़ापे की लाठी तो है ही साथ ही एक सम्मान का प्रतीक भी है, हमें अभी ? 50000 तनख्वा मिल रही है और जब रिटायरमेंट होता है,तो एमपीएस के रूप में एक हजार, बारह सौ रुपए दिए जाते हैं,जिससे एक सिलेंडर भी नहीं आता।टीकम सिंह कुशवाह ने कहा कि अगला चुनाव पुरानी पेंशन पर ही किया जाएगा जो कर्मचारी 62 वर्ष तक सेवाएं देता है,उसे पेंशन नहीं जबकि नेताओं को एक बार शपथ लेने पर ही पेंशन शुरू हो जाती है यह नीति विरुद्ध है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की जिलाध्यक्ष साधना भदौरिया ने बहुत ही मार्मिक शब्दों में सरकार से पुरानी पेंशन बहाली करने की बात कही कार्यक्रम में शकुंतला कुशवाह एवं टुंडे खान को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया इन्हें एनपीएस के रूप में क्रमशः 1318 रुपए एवं ? 600 पेंशन के रूप में दिए जा रहे हैं, जब की इनका अंतिम वेतन 52000 और 38000 रुपये था।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार गणेश भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में कहा की कर्मचारियों को उनकी पेंशन मिलनी चाहिए यह मानवाधिकार के अंतर्गत भी आता है,उन्हें भी अपने सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान के साथ जीने का अधिकार शासन प्रशासन को देना चाहिए।उक्त कार्यक्रम में आजाद अध्यापक संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संतोष लहरिया,जिला अध्यक्ष आनंद सिंह भदोरिया,वरिष्ठ अध्यापक संघ के सत्यवान सिंह भदोरिया एडीपीसी, टीकम सिंह कुशवाह प्राचार्य अमायन, राजस्व प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर,पंचायत सचिव जिला अध्यक्ष राजेश सिंह भदोरिया,स्वास्थ्य विभाग से रवि जोशी,पूर्व बीआरसी सत्येंद्र सिंह कुशवाह,शैलेंद्र सिंह सेंगर प्राचार्य हवलदार सिंह का पुरा,प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज शुक्ला,महिला अध्यक्ष उषा दीक्षित मंचासीन रहे।कार्यक्रम के संयोजक ब्रह्मानंद दिवाकर एवं धर्मेंद्र महेश्वरी द्वारा किया गया पूरे कार्यक्रम का संचालन मंच का संचालन जिला अध्यक्ष गगन शर्मा द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में सभी शासकीय कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए टेंशन नहीं तो वोट नहीं की शपथ लेकर सरकार से मांग की कि हमारी पुरानी पेंशन शीघ्र बहाल की जानी चाहिए।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष यादव,राम सजीवन भारद्वाज,मीनाक्षी यादव,अशोक चौहान,चंद्र रामकुमार तिवारी,अवस्थी,गजेंद्र चंदेल,ओम चतुर्वेदी,देवी सिंह वर्मा,मुकेश राठौर, मयंक खंडेलवाल,पूजा,पुष्पा,नरेश चंद्र तिवारी,मीना ओझा,आभा सिंह,राव राजा सिंह,श्याम नारायण तिवारी, अमित शर्मा,राजेश थापक एवं हजारों की संख्या में पेंशन विहीन सैकड़ों की तादाद में कर्मचारी एकत्रित हुए।

सुरपुरा पुलिस द्वारा वृद्ध की हत्या करने वाले पिता - पुत्र को मय हथियार किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के दिशानिर्देश में एवं एसडीओपी अटेर दिनेश सिंह बैस के मार्गदर्शन में गंभीर अपराध घटित करने वाले आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत थाना सुरपुरा पुलिस ने ग्राम आकौन में हुई हत्या के दोनों आरोपियों को मय हथियार 315 बोर की अधिया के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।दिनांक 30/06/23 को थाना सुरपुरा अंतर्गत ग्राम आकौन में रामलक्षिन यादव पिता मुख्तार सिंह यादव उम्र 60 साल निवासी ग्राम आकौन की जमीन विवाद को लेकर उन्ही के परिवार के दिलीप यादव तथा मायाराम यादव ने गोली मारकर हत्या कर दी घटना की सूचना पर थाना सुरपुरा पुलिस द्वारा मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुये तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मौके का निरीक्षण कर एक 315 बोर का खाली खोखा जप्त किया गया तथा थाना सुरपुरा अंतर्गत आरोपी दिलीप यादव तथा मायाराम यादव के विरुद्ध अपराध धारा 302,34 ताहि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपीगणों की पतारसी के दौरान मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 02/07/ 23 को आरोपी दिलीप यादव तथा मायाराम यादव को मय फोर्स के घेराबंदी कर ग्राम आकौन स्थित चंबल के बीहड से गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी दिलीप यादव की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार एक 315 बोर की अधिया जप्त की गई है।

जप्त सामग्री - घटना में प्रयुक्त एक 315 बोर की अधिया,एक खाली खोखा (घटनास्थल से) बरामद किया।

उक्त प्रकरण की संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सुरपुरा उपनिरीक्षक अमित सिंह सिकरवार, एएसआई भगवान सिंह,प्रधान आरक्षक अमित सेन,आरक्षकअनिल जाट,महेन्द्र यादव,राजबहादुर यादव,गोविंद राजपूत,यदुवीर सिंह चौहान आर चालक अरविंद परिहार, तथा अन्य थाना स्टाफ की अहम भूमिका रही।

धर्म-ध्यान आराधना का समय है चातुर्मासः मुनि श्री मुनि ,एलएन पुरम शांतिनाथ संघ में हुआ संतो का चातुर्मास प्रवेश

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू । श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ (ट्रस्ट) के तत्वावधान में एल. एन. श्रीरामपूरम बेंगलोर, जे.पी.पी. समणी भवन के प्रांगण में प. पू. मुनिराज राजपद्मसागरजी म. सा.,एवं प. पू. मुनि श्रमणपद्मसागरजी म. सा. का चातुर्मासिक प्रवेशोत्सव आयोजित हुआ। प्रन्यासप्रवर भक्तिरत्न विजयरत्न महाराज जी, मुनिराज भाग्यचन्द्र विजय जी, बाल मुनि भक्तिदर्शन विजय जी आदि ठाणा 3का सान्निध्य ने इस शोभा यात्रा में चार चाँद लगाये। पन्यासप्रवर भक्तिरत्न विजयरत्न महाराज जी ने भाग्य, अहोभाग्य, सौभाग्य, दुर्भाग्य इन चार शब्दों का विवेचन करते हुए फ़रमाया की संत का आना भाग्य, सन्निधि पाना अहोभाग्य, संत द्वारा याद करना सौभाग्य, सब मिलने के बावजूद भव ना सुधरे तो दुर्भाग्य होता है।इस स्वर्णिम चातुर्मास का पूरा लाभ उठाना है और अपने कर्मों की निर्जरा करनी है। चातुर्मास हेतु पधारे प पू मुनिराज राजपद्मसागर जी ने अपने उपकारी सभी आचार्य भगवंतों के उपकार को मानते हुए अपने दीक्षा गुरु, संस्कार और ज्ञान प्रदाता गुरुदेव महेंद्रसागरसूरीश्वरजी महाराज साहब और अन्य मुनिवृंदों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। आज प्रत्यक्ष गुरु की भक्ति, गुरु की शक्ति और गुरु के आशीष से सब यहाँ आये है। सभी के समय का सदुपयोग होगा। हर क्षण हमें परमात्मा भक्ति में लीन रहना है और अपने जन्म को सफल बनाना है। उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चातुर्मास यानी चार गति का निवारण करना है। मनुष्य गति, तिर्यंच गति, देव गति , नरक गति से बढ़कर सिद्ध गति है इस चातुर्मास में देव गुरु धर्म की आराधना का अवसर है। यह चातुर्मास का प्रवेश हम सबका सिद्ध गति की ओर का प्रवेश है। तप-त्याग से आगे बढ़ना है। गुरु भगवंत ने सभी को आशीर्वाद देते हुए विनय,आदर,सम्मान से जीने की प्रेरणा दी। प्रति शनिवार, रविवार आध्यात्मिक पाठशाला में युवा वर्ग को अधिकाधिक इस चातुर्मास का लाभ उठाना है। कहानी के माध्यम से गुरुदेव ने इस जन्म की सार्थकता बतायी । प. पू. मुनि श्रमणपद्मसागरजी म. सा. आज का शुभ दिन एक मंगलकारी और यादगार दिन है। एक साथ एक ही छत के नीचे हम सब चातुर्मास का स्वागत कर रहे है। 23 वर्ष बाद इस पुण्य धरा पर चातुर्मास होना अपने आप में इतिहास है।मुख्य अतिथि पारस भंडारी ने बताया कि बेंगलोर नगरी धर्ममय बन गई, श्रीरामपुर संघ की एकता और अखंडता भी परिलक्षित हो रही है। गुरुदेव के पुण्य प्रताप से आज अधिकाधिक युवापीढ़ी यहाँ उपस्थित है। सबमें होश के साथ जोश से काम करने की लगन है।सबकी चातुर्मास आराधना अच्छी तरह हो और यह एक यादगार चातुर्मास बने। श्रीरामपुर की धन्य धरा पर प्रभु श्री शांतिनाथ दादा की छत्र छाया में सागर समुदाय के प पू मुनिराज राजपद्मसागरजी म सा ठाणा दो का भव्यातिभव्य चातुर्मासिक प्रवेश शोभायात्रा का अद्भुत नज़ारा था। सकल संघ में हर्षोल्लास का वातावरण और गुरुदेव आशीषों की झड़ी बरसा रहे थे।शोभायात्रा में सम्मिलित सकल संघ की श्रद्धा, भक्ति, सेवा का अनुपम दृश्य देखनेलायक था। पूरे देश भर से समागत श्रद्धालुओं का अद्भुत मेला इस स्वागत सामैया की शोभा बढ़ा रहा था। केसरिया साफ़ा से सजा पूरा श्रीरामपुर का संघ मानो शांतिनाथ दादा की छत्र छाया में एक अनोखी छटा बिखेर रहा था। संचालक विपिन पोरवाल ने सबको भक्ति रंग में रंगा । स्वागत-सत्कार-अभिनंदन में जुड़े विमल शांति महिला मंडल,जैन शांति नवकार मंडल, श्री शांति नवकार बालिका मंडल, श्री गुरु सातम पूजा एवं सामायिक महिला मंडल, अपना एकता परिवार,पूनम सामायिक मंडल, आउवा जैन महिला मंडल आदि।शुभम् भव, श्रेयम् भव, कल्याणम भव की स्वर लहरियों से पूरा पंडाल परिसर गूंज उठा।एल.एन पुरम रा आँगने गुरुवर जी पधार्या आज.. सुंदर स्वर लहरियों के मंडलों ने अपनी श्रद्धाशिक्त अभिवंदना की।म्हारें आँगनिये में आज गुरुराज पधार्या..स्वर लहरियों पर बालिकाओं द्वारा अद्भुत स्वागत नृत्य प्रस्तुति दी। समस्त देश भर के श्रद्धालुओं से पुरा परिसर खचाखच भर गया। सभी पूज्य मुनिराज के दर्शन कर जयजयकार के नारे लगाये। श्री संघ द्वारा एम एल ए अश्वथ नारायण का सम्मान किया गया एवं बाहर गाँव से पधारे अतिथियों का सम्मान किया। चेरमेन विरदीचंद आच्छा एवं शांतिलाल तथा अध्यक्ष विनोद सिंघवी ने सभी का स्वागत किया मंत्री नरेंद्र कुमार आच्छा ने व्यवस्था सँभाली। उपाध्यक्ष प्रसन्न चण्डालिया, कोषाध्यक्ष जवरी लाल मुथा, सज्जनराज बरलोटा, सहमंत्री चाँदमल भंसाली, सुरेश भंडारी, चेतन, पुनीत, विकास, सुरेंद्र, ताराचंद, सोहनलाल का सहयोग रहा। नरपतसिंह राजपूत परिवार द्वारा गुरुदेव को कांबली ओढ़ायी गई। पुखराज जीवराज जीरावला परिवार द्वारा गुरुपूजन किया गया।

सम्पादक की कलम से

जहरीली मिठास

दुनियाभर में तमाम खाद्य पदार्थों का आक्रामक प्रचार-प्रसार करके अकूत संपदा जुटाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों के सेहत पर पड़ने वाले घातक प्रभावों पर दशकों से विमर्श होता रहा है। लेकिन दुनिया के शक्तिशाली देशों में प्रभावी इन कंपनियों के खिलाफ कोई भी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह जाती थी। लेकिन अब जाकर विभिन्न शोधों के निष्कर्षों के आधार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खाद्य पदार्थों व पेय पदार्थों में मिलाये जाने वाली कृत्रिम मिठास को कैंसर को बढ़ाने वाला कारक माना है। एक अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस माह विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया के सामने स्वीकारेगा कि कृत्रिम मिठास दुनिया में कैंसर के प्रसार का संभावित कारण है। दरअसल, दुनिया में बहुराष्ट्रीय शीतल पेय कंपनियों के पेय, सोडा, च्यूइंग गम आदि पदार्थों में इस तरह की कृत्रिम मिठास का धड़ल्ले से प्रयोग किया जाता है। दरअसल, मनुष्य पर कैंसरकारक असर के बाबत अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी आईएआरसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन के कैंसर अनुसंधान प्रभाग के अध्ययन का हवाला दिया गया है। गत माह की शुरुआत में आईएआरसी के निष्कर्षों को समूह के बाहरी विशेषज्ञों की बैठक के बाद अंतिम रूप दिया गया। जिसका उद्देश्य था कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आकलन किया जाये कि कृत्रिम मिठास से वास्तविक खतरा कितना है। विशेषज्ञों ने उस पुरानी दलील को तरजीह नहीं दी कि एक सीमित मात्रा में इससे बने उत्पाद घातक नहीं होते और इनका उपयोग किया जा सकता है। दरअसल, इस आशंका की पुष्टि विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक अन्य विशेषज्ञ समिति द्वारा भी की गई है, जिसे जेईसीएफए कहा जाता है। जो कि डब्ल्यूएचओ और खाद्य एवं कृषि संगठन के खाद्य विशेषज्ञों की संयुक्त समिति है। निस्संदेह, इन निष्कर्षों ने दुनियाभर के उपभोक्ताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है, जो लंबे समय से इन उत्पादों के सेवन को लेकर दुविधा में थे। उल्लेखनीय है कि अतीत में इस मुद्दे पर आईएआरसी के निष्कर्षों को लेकर उपभोक्ता प्रश्न उठाते रहे हैं। इस मामले में कई मुकदमे भी किये गये। साथ ही इन खाद्य व पेय पदार्थों के निर्माताओं से कृत्रिम मीठे से बने खाद्य पदार्थों की निर्माण प्रक्रिया की समीक्षा करने तथा उनके स्वास्थ्यवर्धक विकल्प तलाशने पर बल देते रहे हैं। अब जाकर यह मुहिम तार्किक परिणति की ओर जा रही है। जुलाई के मध्य तक आईएआरसी अपने निष्कर्षों को सार्वजनिक करेगी। दरअसल, आईएआरसी के सूत्रों का मानना है कि एस्पार्टेम को संभावित कैंसर कारक के रूप में सूचीबद्ध करने का मकसद यह है कि इस दिशा में शोध को गति दी जाये। जिसके फलस्वरूप विभिन्न एजेंसियों, उपभोक्ताओं तथा इन खाद्य पदार्थों के निर्माताओं को निर्णायक स्थिति में पहुंचने में मदद मिल सके। निश्चित रूप से इस कोशिश से पूरी दुनिया में घातक कृत्रिम मिठास के दुष्प्रभावों को लेकर नये सिरे से बहस का आगाज होगा। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रकाशित दिशा-निर्देशों में लोगों को वजन नियंत्रण के प्रयासों में चीनी छोड़कर उसकी जगह कृत्रिम मिठास का उपयोग न करने की सलाह दी थी।

जिंदगी में ज़हर घोलती दूषित हवाएं

हाल आज समूची दुनिया वायु प्रदूषण की चपेट में है। महानगरों की बात छोड़िए छोटे शहर, कस्बे और गांव भी इसके चंगुल से अछूते नहीं। तेज अर्थव्यवस्था और विकास की गतिविधियों के चलते वायु प्रदूषण को थामना बेहद मुश्किल है। नेशनल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट (नीरी) के विशेषज्ञों की भी राय है कि तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था के दौर में वायु प्रदूषण को पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। असल में यह स्थिति दुनिया में हर विकसित व विकासशील देश की है। ऐसे में हमें सचेत रहना होगा अन्यथा हालात बेकाबू हो सकते हैं। हर स्तर पर सतर्कता, निगरानी और जागरूकता जरूरी है। इस तरह बेलगाम वायु प्रदूषण पर थोड़ी मात्रा में ही सही, काबू पाया जा सकता है। हकीकत यह कि अब वायु प्रदूषण किसी खास दिन, महीने में ही नहीं बल्कि पूरे साल अपनी मौजूदगी दर्ज कराने लगा है। समूची दुनिया में वर्ष के करीब सत्तर फीसदी दिनों में लोगों को खतरनाक वायु प्रदूषण झेलना पड़ रहा है। इस प्रदूषण ने बड़े शहरों से भी आगे बढ़कर छोटे शहरों-कस्बों और गांवों तक को अपनी चपेट में ले लिया है। हालात की भयावहता का सबूत यह है कि लगभग हर कोई पीएम 2.5 वाले छोटे वायु प्रदूषण के कणों के सम्पर्क में है। यानी दुनिया में वायु प्रदूषण से कोई भी सुरक्षित नहीं है। एक्यूआई का कमोबेश हर जगह लगभग दो सौ के पार रहना भी इसका प्रमाण है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को प्रमाणित किया है। शोधकर्ताओं के अध्ययन प्रमुख यूमिंग गुओ ने इसका खुलासा करते हुए हैरानी जतायी कि दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित वायु गुणवत्ता दिशा-निर्देशों की तुलना में वार्षिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता अधिक है। यदि हाल के वर्षों का आंकड़ा देखें तो अकेले वर्ष 2019 में दुनिया में वायु प्रदूषण से मरने वालों की तादाद कम से कम 70 लाख है।

देखा जाये तो वायु प्रदूषण बढ़ने के प्रमुख स्रोतों में एक बड़ा स्रोत पूरे साल रहने वाला वाहन प्रदूषण है। दूसरा धूल और कचरा जलाने से होने वाला प्रदूषण है जो बेहद खतरनाक व गंभीर है। बेशक इसे अधिकतर लोग गंभीर नहीं मानकर बिना किसी रोकथाम उपाय के भवन निर्माण और खुदाई जैसे कामों को अंजाम देते हैं। वे खुलेआम कचरा भी जलाते हैं। तीसरा स्रोत औद्योगिक प्रदूषण है। यूं भी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में दैनंदिन उद्योग लगने की बढ़ रही रफ्तार के साथ प्रदूषण कम हो पाने की उम्मीद ही बेमानी है।

मौसम में बदलाव के साथ-साथ प्रदूषण के कारकों की हिस्सेदारी में भी काफी परिवर्तन आया है। सर्दियों की तुलना में गर्मियों के दौरान स्थानीय कारकों से ज्यादा प्रदूषण होता है। इसमें खुले में आग, कचरा, उपले, सूखे पत्ते और लकड़ी जलाने की भी अहम भूमिका है। गौरतलब है कि छोटे वायु कण जो 2.5 माइक्रोन या उससे कम चौड़ाई में होते हैं, वे मानव स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक जहरीले वायु प्रदूषकों में से एक हैं। इनको पीएम 2.5 के रूप में जाना जाता है। ये हमारे फेफड़े तक आसानी से पहुंच जाते हैं और सांस लेने में परेशानी पैदा करते हैं। ये कई बीमारियों के कारण बनते हैं।

जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्राकृतिक आपदाएं लाखों लोगों को विस्थापित तो कर ही रही हैं, वहीं इसके चलते बिगड़ता पर्यावरण स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। वायु प्रदूषण से अजन्मे बच्चे की सेहत पर भी बुरा असर पड़ रहा है, वहीं हड्डियों का तेजी से क्षरण भी होता है और अल्जाइमर का खतरा भी बढ़ जाता है। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ़ के मुताबिक, साल 2020 में बीस फीसदी नवजात बच्चों की मौत वायु प्रदूषण से हुई। हाल ही में डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ़ और मातृ नवजात शिशु तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की ओर से जारी एक रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रभागों पर प्रकाश डाला गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, मीथेन और ब्लैक कार्बन से न सिर्फ हवा खराब हो रही है बल्कि इससे नवजातों की मौत के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। यह भी कि कम और मध्यम आय वाले देशों में वायु प्रदूषण से समय से पहले पैदा होने वाले 91 फीसदी शिशुओं की मौतें होती हैं। इनमें भारत शीर्ष पर है और उसके बाद पाकिस्तान, नाईजीरिया, चीन और इथियोपिया जैसे देश आते हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के नये शोधों के मुताबिक, हवा में नाइट्रिक आक्साइड जैसे प्रदूषकों का स्तर बढ़ने से रजोनिवृत्ति वाली महिलाओं में हड्डियों के क्षरण की गति तेज हो जाती है। कार और ट्रक जैसे वाहन तथा बिजली उत्पादन संयंत्र से निकलने वाला धुंआ इसके प्रमुख स्रोत हैं। चिंता का विषय यह है कि वायु प्रदूषण का जहर भारतीयों की जिंदगी औसतन चार वर्ष ग्यारह महीने तक कम कर रहा है। सीएसई की रिपोर्ट की मानें तो इससे तीस फीसदी भारतीयों की उम्र में एक से तीन साल, तकरीबन 25.7 फीसदी की उम्र में तीन से पांच साल, 21.2 फीसदी की उम्र में पांच से सात साल, 22 फीसदी की उम्र में सात साल से अधिक और 0.9 फीसदी की उम्र में एक साल से कम की कमी आ रही है। ऐसे में, हमें उन सभी उपायों पर तेजी से काम करना जरूरी है जिनसे प्रदूषण की बढ़ती दर कम की जा सके।

अबकी बार टमाटर सौ के पार

लो जी, टमाटर ने तो शतक मार दिया है, अब वर्ल्ड कप में खिलाड़ी जो करें, सो करें। अच्छी बात यह है कि टमाटर को लेकर अभी वैसी कोई कहावत नहीं बनी है, जैसी आटे-दाल को लेकर है कि आटे-दाल का भाव पता चल जाएगा। वैसे यह कहावत भी महंगाई के लिए नहीं बनी थी साहब, गृहस्थी के कष्ट बताने के लिए बनी थी। लेकिन जैसे शायरों के कलाम लोगों के दर्द बयां करने के काम आ जाते हैं, वैसे ही कहावतें भी कई बार ऐसे ही दर्द बयां करने के काम आ जाती हैं। इधर आटे के साथ एक अच्छी बात यह हो गयी है कि उसे कोई महंगा कहने की हिम्मत कर ही नहीं सकता।

एक तो पाकिस्तान अपने यहां डेढ़ सौ-दो सौ रुपये किलो आटा बेचकर इसमें बड़ी मदद करता है। महंगाई समर्थक, जो वास्तव में तो सरकार समर्थक ही होते हैं, फौरन कान पकड़कर पाकिस्तान को बहस में ले आते हैं, देखो यह तो डेढ़ सौ-दो सौ रुपये किलो आटा खाकर भी कोई शिकायत नहीं करता है और तुम्हारी पचास में ही नानी मरने लगती है। हम पाकिस्तान से हार नहीं सकते। न जंग में, न क्रिकेट या हॉकी में। तो आटा खरीदने में ही कैसे हार जाएंगे। सो हम फौरन चुप हो जाते हैं। आटे की महंगाई का जिक्र बंद। देखो पाकिस्तान, पाकिस्तान होकर भी कितना काम आता है। फिर आटे के महंगाड़े का रोना रोते ही तुरंत आटा के सामने डाटा आ खड़ा होता है। डाटा पूरी वफादारी से सरकार की रक्षा करता है और आटा उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाता। टाटा-बाटा ने आटा के सामने डट जाने का यह काम कभी नहीं किया। सीन कुछ यूं होता है कि विपक्ष ने अगर आगे किया आटा तो सरकार ने फौरन डपटा। दाल फिर भी महंगा होना अफोर्ड कर सकती है। वर्षों से वह शतक पर शतक मारे जा रही है फिर भी उसे गरीब का भोजन होने का तमगा हासिल है, वैसे ही जैसे सरकारें सेठों पर सब कुछ लुटाकर भी गरीब हितैषी बनी रह सकती हैं। यह कहावत अभी भी पूरी तरह प्रासंगिक बनी हुई है कि दाल-रोटी खाओ, प्रभु के गुण गाओ। दाल में चाहे कितना ही काला हो, पर उसकी छवि हमेशा गरीबपरस्त ही रहेगी। इस मामले में सरकार विरोधियों की दाल बिल्कुल भी नहीं गलती। लेकिन टमाटर को यह सुविधा हासिल नहीं है। न आटे-दाल जैसी कोई कहावत उसके लिए है और न ही उस पर दाल की तरह गरीबपरस्त होने का ठप्पा लगा है। बल्कि कई बार तो वह किसी दीन का नहीं रहता। गरीब उससे इसलिए आंखें फेर लेते हैं कि वह महंगा है और शासक लोग सीख देने लगते हैं कि टमाटर खाते ही क्यों हो। जानते नहीं हो टमाटर खाने से पथरी हो जाती है। शतक मार भी टमाटर इसी दुविधा का शिकार है। यही उसकी त्रासदी है।

पेज-6

वर्ल्ड कप क्वालिफायर

छत्तीसगढ़ में एकता के लिए कांग्रेस का नया दांव

छत्तीसगढ़ में टीएस सिंह देव को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। यह देश का 11वां राज्य है जहां डिप्टी सीएम बना है। राज्यों में नेतृत्व के लिए खींचतान, वर्चस्व की लड़ाई को दूर करने या फिर जातीय क्षेत्रीय सियासी संतुलन को साधने के लिए डिप्टी सीएम बनाने की रिवायत देखी गई है। कई राज्यों में दो-दो डिप्टी सीएम भी बने हैं। छत्तीसगढ़ में चुनाव से लगभग पांच महीने पहले टीएस सिंह देव को डिप्टी सीएम बनाने की रणनीति में क्षेत्रीय जातीय संतुलन को साधने से ज्यादा नेताओं में आपसी खींचतान को दूर करने का उपक्रम देखा गया है। कहीं न कहीं कांग्रेस आलाकमान को यह लगा है कि चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में खुशनुमा माहौल बनाया जाए। इसके लिए टीएस सिंह देव यानी टीएस बाबा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। हालांकि, अब इस दौर में उपमुख्यमंत्री के तौर पर टीएस सिंह देव के पास कुछ अलग करने के लिए समय नहीं है। वैसे भी उपमुख्यमंत्री के रहते राज्यों में बड़े अधिकार मुख्यमंत्री अपने ही पास रखते हैं। इस मायने में महाराष्ट्र या कर्नाटक की स्थिति कुछ अलग कही जा सकती है।

वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ में विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद अगर विधायकों के समर्थन के आधार पर नेतृत्व दिए जाने की बात होती तो टीएस सिंह के हाथ में ही नेतृत्व सौंपा जाता। कांग्रेस के दो-तिहाई विधायकों का उनके प्रति झुकाव था। बेशक चुनाव में भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव ने अपने-अपने स्तर पर पार्टी को कामयाब बनाने के लिए प्रयास किये थे। लेकिन माना गया था कि संगठन प्रबंधन में टीएस सिंह देव की भूमिका शानदार थी। पार्टी संगठन पर भी उनका प्रभाव था। हालांकि, पार्टी के लिए प्रचार करना डोर टू डोर कैंपेन करने में बघेल ने अपना कौशल दिखायाथा। उस समय विधायकों का मिजाज भांपने पार्टी के आज के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ही पर्यवेक्षक बनकर छत्तीसगढ़ गए थे। लेकिन उस समय की सियासी परिस्थितियों को देखते हुए कांग्रेस हाईकमान ने ढाई-ढाई साल सत्ता का फार्मूला निकाल कर बघेल के हाथ में सत्ता सौंपी। कांग्रेस आला कमान ने अपना मन भूपेश बघेल के पक्ष में बनाया।

रणनीतिक तौर पर बारी-बारी से ढाई-ढाई साल सत्ता में आने का एक अलिखित समझौता हुआ था। इस तरह का फार्मूला यूपी में भी अपनाने की कोशिश हुई थी। वह सफल नहीं रहा। छत्तीसगढ़ में भी सत्ता में आने के बाद सीएम बघेल ने ऐसी स्थितियां नहीं बनने दीं कि सत्ता का हस्तांतरण हो सके। उस समय यह फैसला हुआ था कि भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव ढाई-ढाई साल तक सीएम बनेंगे। हालांकि ऐसा हुआ नहीं।

टीएस सिंह देव ने कभी मुखर होकर कभी सांकेतिक तो कभी मंत्रिमंडल में विभाग को छोड़कर अपना असंतोष दिखाया। इससे टीएस सिंह देव ने 16 अगस्त, 2022 को ग्रामीण पंचायत मंत्रालय से इस्तीफा दिया था। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग का कार्यभार देखते हुए वह मंत्रिमंडल में बने रहे। लेकिन रह-रहकर छत्तीसगढ़ में बघेल और टीएस बाबा के धड़ों में मतभेद की खबरें बाहर आती रहीं।

लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने भी यथास्थिति बने रहने दी। अब ऐसे समय में जब कांग्रेस को चुनावी मैदान में उतरना है और छत्तीसगढ़ उन राज्यों में है जहां कांग्रेस अपने लिए संभावना देख रही है। ऐसे में कांग्रेस ने इस राज्य में भी उन उलझनों को दूर करने की कोशिश की है जो चुनाव में दिक्कत पैदा कर सकती थी। पहली कोशिश यही है कि पार्टी में नेताओं के आंतरिक मतभेदों को दूर किया जाए। माना जाना चाहिए कि कर्नाटक में जिस तरह से गुटबाजी से बाहर निकल कर कांग्रेस ने जनता को आपसी एकजुटता का संदेश दिया उसका पार्टी को फायदा मिला। चुनाव से पहले कांग्रेस के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार जैसे दिग्गज नेता अलग-अलग राह चलते दिखते थे। लेकिन कांग्रेस ने समय रहते दोनों के विवादों को दूर कर इस तरह का माहौल बनाया कि वे मंचों पर हाथ लहराते नजर आए। पद यात्रा में साथ-साथ चले। इसके विपरीत बीजेपी अपने अंदरूनी विवादों से बाहर नहीं निकल पाई। निश्चित यहीं से कांग्रेस के मन में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के आंतरिक विवाद को दूर करने की कोशिश हुई है। कांग्रेस को यह भी लगता रहा है कि किसी भी क्षण टीएस सिंह देव हाथों में कमल थाम सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सियासी हलकों में इस बात की भी खबरें रह-रह कर उड़ती रहीं। कांग्रेस ने इस बात को समझ लिया था कि अगर समय रहते टीएस सिंह देव को मनाया नहीं गया तो खींचतान और बढ़ सकती है। टीएस बाबा विरोध का स्वर भी उठा सकते हैं। बेशक भूपेश बघेल ने सत्ता पर अपनी पकड़ बनाई हो लेकिन टीएस सिंह देव की प्रबंधन और संगठन पर जो पकड़ रही है, उसकी अहमियत पार्टी समझती है। इतना निश्चित है कि केवल डिप्टी सीएम के पद पर लाने भर से टीएस सिंह देव को खुश नहीं किया जा सकता। पार्टी ने उन्हें आगे के लिए कुछ और आश्वासन जरूर दिए होंगे। टिकटों के वितरण और संगठन को लेकर उनसे जरूर विस्तार से चर्चा हुई होगी। भूपेश बघेल राजनीति के दावों को जानते हैं। इस समय उन्होंने अपने प्रभाव और नेतृत्व क्षमता से राज्य में कांग्रेस की स्थिति को काफी मजबूत बनाया है। भूपेश बघेल भी समझते हैं कि आपसी गुटबाजी और खींचतान से अलग कांग्रेस चुनावी मैदान में अपने बड़े संदेश के साथ जा सकती है। छत्तीसगढ़ में बघेल और बाबा के जो मुस्कराते और हाथ मिलाते चित्र नजर आए हैं वह जितनी सफलता टीएस सिंह देव की है उससे कहीं ज्यादा उसका महत्व सीएम भूपेश बघेल के लिए है। इसलिए इसे सीएम भूपेश बघेल का एक सफल दांव माना जा रहा है। भूपेश बघेल सियासत के कुशल खिलाड़ी हैं। कांग्रेस छत्तीसगढ़ में भी उम्मीद कर रही है कि दोनों नेताओं के मतभेद दूर होने के बाद पार्टी एकजुट होकर चुनाव मैदान में जाएगी।

टीएस बाबा छत्तीसगढ़ की सियासत में धुरंधर खिलाड़ी माने गए हैं। यूपी के प्रयागराज में जन्मे टीएस बाबा के पिता आईएएस अधिकारी रहे हैं। इनकी मां देवेंद्र कुमारी मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री रही हैं। अंबिकापुर नगर परिषद का चुनाव जीतकर वो छत्तीसगढ़ में डिप्टी सीएम के पद तक पहुंचे हैं। 2008 में सरगुजा से पहली बार विधायक बने। इसके बाद 2013 और 2018 में भी उन्होंने चुनाव में सफलता हासिल की। 2013 में विधायक दल के नेता बने। 2018 में बघेल ने उन्हें अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया। टीएस बाबा का सरगुजा संभाग में खास प्रभाव माना जाता है। छह जिलों को मिलकर बना सरगुजा संभाग की विधानसभा सीटों को छत्तीसगढ़ में सत्ता की चाबी कहा जाता है। सरगुजा संभाग का राजनीतिक महत्व तो रहा है पर नेतृत्व का मौका यहां के नेताओं को नहीं मिला। यह आदिवासी बहुल इलाका है। यहां घने जंगल हैं। आदिवासी परंपरा और संस्कृति वाले इस संभाग से नंद कुमार राय, दिलीप सिंह जुदेव लरंग साय जैसे कई नेता दिए। इन क्षेत्रों से कई-कई बार विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व करने वाले नेता सामने आए। लेकिन राजनीति के केंद्र में अक्सर बस्तर ही रहा। 2018 में जब कांग्रेस ने शानदार सफलता हासिल की थी। तब एक बार लग रहा था कि सरगुजा का नेता छत्तीसगढ़ की कमान संभालेगा। लेकिन टीएस बाबा सीएम बनते-बनते रह गए। बेशक छत्तीसगढ़ के इस घटनाक्रम को कांग्रेस अपनी उपलब्धि के बतौर दिखाने की कोशिश करेगी। वहीं बीजेपी नेता पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का बयान भी नई बहस को जन्म देता है कि कैप्टन ने सियासी तूफान को देखते हुए नाव की पतवार टीएस सिंह देव के हाथ में पकड़ा दी है।

प्रतीक पटेल का पटवारी पद पर हुआ चयन

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह /बटियागढ़। पटवारी परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद दमोह जिले के ग्राम खड़ेरी निवासी शिक्षक हरिगोविंद पटेल के पुत्र प्रतीक पटेल का पटवारी पद पर चयन होने पर अपने गांव का नाम रोशन किया। सरल और सहज स्वभाव के धनी प्रतीक ने अपनी इस सफलता के लिए अपने माता-पिता को श्रेय देते हुए बताया कि लक्ष्य पर अडिग रहने से ही सफलता मिलती है, और वे राजस्व विभाग में नौकरी करने के लिए शुरू से ही तैयारी कर रहे थे। इसके लिए उनके माता-पिता बराबर उन्हें प्रोत्साहित किया। लगभग 8 से 10 घंटे तक मन लगाकर प?ाई करने के चलते उन्हें यह सफलता मिली है। गौरतलब है कि प्रतीक के पिता हरिगोविंद पटेल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरी में शिक्षक के पद पर पदस्थ है जो विजयनगर दमोह में निवासरत है। प्रतीक कि सफलता के बाद उनके शुभचिंतको एवं ग्राम वासियों नें शुभकामनायें प्रेषित की।

सुदामा और कृष्ण ने उज्जैन के सान्दीपनि आश्रम में एक साथ विद्याध्ययन किया था-आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। स्थानीय जबलपुर नाका अथाई रोड पर स्थित देव श्री रासबिहारी राधाकृष्ण मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवे दिवस में कथा वाचक आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जी ने एक साथ उज्जैन के सान्दीपनी आश्रम में विद्याध्ययन किया था। सुदामा का जन्म ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मटुका और माता का नाम रोचना देवी था। श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के अवतार थे। सभी विद्यार्थी गुरु की सब प्रकार से सेवा करते थे। एक बार कृष्ण और सुदामा गुरु सान्दीपनि मुनि के कहने पर लकड़ी लेने के लिए जंगल में गये। बारिश होने लगी और वे एक पेड़ के नीचे रुक गए। सुदामा के पास कलेवा के लिए गुरूमाता के द्वारा दिये हुये चने थे। सर्वज्ञ श्रीकृष्ण ने कहा कि वह भूखे हैं। तब सुदामा ने श्रीकृष्ण से झूठ बोला की उनके पास चने नही है तब भगवान ने कुछ नहीं कहा और इस तरह उनकी दोस्ती आगे बड़ी। जब वे बड़े हुए तो अपने-अपने रास्ते चले गए। उन्होंने वर्षों में संपर्क खो दिया और जब श्रीकृष्ण

द्वारका में महान् ख्यातिप्राप्त राजपरिवार का एक शक्तिशाली भाग बन गए, तो सुदामा एक विनम्र लेकिन एक गरीब ग्रामीण बने रहे। जब कृष्ण शासन कर रहे थे, सुदामा अत्यधिक गरीबी से गुजर रहे थे, और परिवार का भरण-पोषण करने के लिए भी पर्याप्त धन नहीं था, उनकी पत्नी सुशीला ने उन्हें कृष्ण के साथ अपनी दोस्ती स्मरण करवाया। सुदामा ने राजा श्रीकृष्ण से कृपा नहीं मांगी। उसने सोचा कि यह मैत्री का सिद्धांत नहीं है और अपने अल्प साधनों के द्वारा रहने लगे। एक दिन सुदामा द्वारिका गये और जब सुदामा वापस अपने घर आये तो उन्हें आश्चर्य हुआ कि उनका घर कुटिया के बजाय एक महलनुमा हवेली में बदल गया। उसने अपने परिवार को भी भव्य पोशाक पहने हुये देखा जब सुदामा चले जाते हैं, तो कृष्ण महल में सभी को समझाते हैं मैंने उन्हें जो कुछ दिया है वह केवल उनकी भक्ति के कारण है कृष्ण को अपने भक्त की बहुत चिंता है। अपनी वापसी की यात्रा पर, सुदामा अपनी परिस्थितियों पर विचार करते हैं और भगवान कृष्ण के रूप में अपने महान् मित्र के लिए आभारी हैं और उसके बाद एक तपस्वी जीवन जीते हैं, सदैव भगवान के लिए आभार रखकर।इस कथा का यह सार है कि भगवान लोगों के बीच उनकी वित्तीय स्थिति के आधार पर अंतर नहीं करते हैं और वे हमेशा भक्ति को पुरस्कृत करते हैं। इस कथा द्वारा सिखाया गया एक और नैतिक तथ्य यह है कि जीवन में कभी भी कुछ भी निःशुल्क की आशा न करेंय भगवान आपके अच्छे कर्मों के लिए उचित फल प्रदान करेंगे। एक और नीति बदले में किसी वस्तु के लिए भक्ति का व्यापार नहीं करना चाहिए। सुदामा ने श्रीकृष्ण से कुछ नहीं मांगा। दरिद्र होने के पश्चात् भी सुदामा ने श्रीकृष्ण को वह सब कुछ दिया जो उनके पास था चावल बदले में, भगवान ने सुदामा को उनकी आवश्यकता की हर वस्तु दी।श्रीकृष्ण सच्चे व्यक्तियों को कैसे पुरस्कृत करते हैं, इस बारे में एक सबक भी है। श्रीकृष्ण ने सुदामा को केवल मित्र होने के कारण पुरस्कृत नहीं किया। सुदामा ने अपना सारा समय और प्रयास एक सच्चे व्यक्ति के लिए सांस्कृतिक प्रयासों में लगाया, जिससे समझा जा सकता है कि वह आर्थिक रूप से समृद्ध क्यों नहीं थे। इसमें धर्म की शिक्षा, नैतिक कर्तव्य और समाज में आध्यात्मिकता का प्रसार शामिल था। यह इस प्रयास के लिए है कि कृष्ण सुदामा के परिवार को धन से पुरस्कृत करते हैं ताकि सुदामा उस कार्य को जारी रख सकें।

तेंदूखेड़ा ब्लॉक में जबेरा विधायक ने वितरित किए आयुष्मान कार्ड

पुष्पांजली टुडे

दमोह। तेंदूखेड़ा के नगर परिषद भवन में आयुष्मान कार्ड वितरण का कार्यक्रम हुआ, जिसमें स्वस्थ विभाग द्वारा स्केल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान एवं एक करोड़ आयुष्मान कार्ड का वितरण वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया गया।सभी ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उद्बोधन को सुना जिसमें आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज की गारंटी भाजपा सरकार के द्वारा दी जा रही है।जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी ने सभी को आयुष्मान कार्ड वितरित किए उन्होंने सरकार कि विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी सभी को देकर कहा कि भाजपा सरकार निरंतर गरीब के हित में कार्य कर रही है।इस दौरान एसडीएम रावत,बीएमओ डॉक्टर साहब, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सत्येंद्र जैन, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह, मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव, शिवम जैन, चेतन जैन, राजीव जैन, सहित बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही।

पूर्व विधायक महेद्र बागरी का जन्म दिन समर्थकों ने हर्षोल्लास से मनाया,समर्थकों ने विभिन्न माध्यमों से व्यक्त की शुभ कामनाएं

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे की खबर

पूर्व विधायक और बीजेपी के मृदु स्वभाव के नेता महेंद्र बागरी का जन्म दिन आज कई जगह धूम धाम से समर्थकों द्वारा केक काटकर मनाया गया,उसी तारतम्य में आज डॉक्टर देवेंद्र कुशवाहा के क्लिनिक में अशोक कुशवाहा, गौरीशंकर कुशवाहा, सुरेश कुशवाहा, जगदीश कुशवाहा, अरुण तिवारी सहित अन्य समर्थकों ने पूर्व विधायक का मुंह मीठा कराकर जन्म दिन की शुभ कामनाएं व्यक्त की।महेंद्र बागरी गुनौर विधानसभा से बीजेपी नेता के रूप में विधायक रह चुके है,इस पंचवर्षीय चुनाव में भी इन्हे टिकट का प्रबल दावेदार बताया जा रहा है।

मनरेगा में फर्जी का नया तकनीक शुरू तकनीक देख तकनीकी सहायक के साथ आप भी हो जायेंगे हैरान

संवाददाता हेमचंद नागेश

मैनपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत पंचायतों में नरेगा के कई ऐसे मामले हैं जहां पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक कार्य की लापरवाही कर कार्य करवा रहे हैं या बिना कार्य किए फर्जी मस्टर रोल तैयार कर भ्रष्टाचार कर रहे हैं पर मनरेगा के तकनीकी सहायक व कार्यक्रम अधिकारी चुप बैठे हुए है ग्राम पंचायत झरगांव में इन दिनों मनरेगा के तहत कार्य स्थल पर कार्य नही हो रहा है फिर भी फर्जी मस्टर रोल भरकर सरकार योजना का राशि को डाका डालने का मामला सामने आया है आप को बता दें कि ग्राम पंचायत झरगांव में मनरेगा के तहत लगभग 50 लाख के स्वीकृति से बन रहे कार्य 6 मीटर पुलिया निर्माण सह 60 मीटर रिटेनिंगवाल निर्माण हो रहा है जो 9 लाख 35 हजार रुपए श्रमिक राशि एवं 39

लाख 55 हजार मटेरियल से हो रहे निर्माण कार्य अभी तक अधूरी है और वहीं कार्य की सूचना पटल भी अभी तक नही लगाया गया है पुलिया निर्माण तो हो गई फिर लोग उसी रास्ते से आना जाना नही कर सकते अभी नाला की स्थिति नाला ही है नाला के यही पुलिया निर्माण कार्य में दिनांक 27/06/2023 से 08/07/2023 तक मस्टर रोल जनरेट किया गया है पर और प्रतिदिन कार्य स्थल की उपस्थिति ऑनलाइन एनएमएसएस में बिना मजदूर के बिना कार्य के उपस्थिति 67 लोगों का लगाया जा रहा है जैसे इसकी जानकारी मीडिया को मिली तक लगातार 3 दिन तक कार्यस्थल पर जाकर देखा गया पर कोई मजदूर कार्य नही कर रहे हैं और प्रतिदिन अलग अलग लोकेशन का फोटो अपलोड किया जा रहा है ताकि किसी को पता नही चले की बिना कार्य किए मस्टर रोल जनरेट कर फर्जी हजारी डाल रहे हैं

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आज पीछोर एसडीओपी प्रशान्त शर्मा ने ली बॉर्डर थानो की मिटिंग बसई में

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर,। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 की पूर्व तैयारियों के तहत आज पिछोर विधानसभा से लगने बाले सभी थानों के प्रभारी के साथ आज पिछोर ह्यस्त्रश्शश्च प्रशान्त शर्मा ने बसई में एक।मीटिंग की जिसमे थाना वसई जिला दतिया मध्यप्रदेश के थाना प्रभारी रामसेवक शर्मा , बबीना जिला झाँसी उत्तर प्रदेश थाना प्रभारी रणविजय सिंह , थाना प्रभारी तालवेहट जिला ललितपुर उत्तर प्रदेश विनोद मिश्रा और थाना ओर प्रभारी पिछोर जिला शिवपुरी मध्यप्रदेश गब्बर सिंह गुर्जर सामिल रहे सभी थाना पर प्रभारियों ने पिछोर विधानसभा से लगे अपने अपने क्षेत्र के अपराधियों की जानकारी एक दूसरे से साझा की ओर आगामी चुनाव में शांति पूर्ण सहयोग की भी बात की गई बैठक थाना वसई जिला दतिया में आयोजित की गई

खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया आज शिवपुरी में

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी, खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया 3 जुलाई को शिवपुरी आएंगी।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया 3 जुलाई को ग्वालियर से प्रस्थान कर दोपहर 1.30 बजे शिवपुरी आएंगी और स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। सायं 5 बजे शिवपुरी से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

बड़ादेव महापूजन एवं स्थापना वर्ष धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मदांगमुणओड़ा में मनाया गया

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर।गोंडी धर्म संस्कृति सरंक्षण समिति एवं छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ व युवा प्रभाग तथा सगा समाज के सहयोग से गतदिवस गोंडवाना धर्मगुरु परम् श्रद्धेय महाकाल दुर्गेभगत जी एवं करुणामई गुरुमाता दुर्गेदुलेश्वरी दाई जी के सानिध्य में अतिविशिष्ट अतिथि -गोवर्धन मांझी (पूर्व संसदीय सचिव व विधायक विन्द्रानवागढ़) विशिष्ट अतिथि बजरंग मांझी (प्रांताध्यक्ष गोंडी धर्म संस्कृति सरंक्षण समिति उड़िसा) , दिनेश मांझी (जिलाध्यक्ष नुवापड़ा उड़िसा), लंबूधर ध्रुव जिला सचिव गोंडी धर्म संस्कृति अध्यक्ष देवभोग, धनसिंह कुंजाम ब्लाकउपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ मैनपुर, मेघराज पोर्ते जिला उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ गरियाबंद,टेशू नेताम ब्लाक संरक्षक छुरा, खिलावन कुंजाम ब्लाक अध्यक्ष फिंगेश्वर, शंकरलाल छेदेहा जिलाध्यक्ष युवा प्रभाग गरियाबंद,तथा

बड़ादेव शक्तिपीठ ठाना मदांगमुड़ा (मैनपुर)में हजारों के संख्या में छत्तीसगढ एवं उड़िसा के सगादेवताओं ने बड़ादेव महापूजन एवं स्थापना वर्षगांठ धूमधाम के साथ मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डमरूधर पुजारी विधायक (विन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र) अध्यक्षता दुष्यंत ध्रुवा (जिलाध्यक्ष गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति गरियाबंद) , संरक्षण समिति गरियाबंद , खगेश्वर नागेश सरपंच ग्रामपंचायत मदांगमुड़ा ,लुदर पाथर(ग्राम पुजारी) , तिरु -सिरधर नागेश (ग्राम पटेल) नोकचंद छेदेहा जिलासंरक्षक गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति गरियाबंद, केशरी नागेश जिला उपाध्यक्ष, लालेन्द्र कोमर्रा जिलाकोषाध्यक्ष, रूपेंद्र ध्रुव जिलासहसचिव, थानसिंह सोम ब्लाक अध्यक्ष मैनपुर, रेखराज नेटी ब्लॉक क्षेत्र के सभी समाज प्रमुख तथा अधिकारी कर्मचारियों के उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मनोकामना पूर्ण हुए सगाजन श्रद्धा आस्था के साथ परिवार सहित उपस्थित हुए जिसमे परंपरा व मान्यतानुसार पूजा पाठ किया गया, जो कि अपने परिवार तथा समाज की सुख-समृद्धि , क्षेत्र व देशहित की उन्नति व लोककल्याण के लिए परम शक्ति बड़ादेव जी से आशीर्वाद प्राप्ति की कामना की गई ।कार्यक्रम का शुभारंभ नव निर्मित सामुदायिक भवन के उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलित व श्रीफल तोड़कर क्षेत्रीय विधायक डमरूधर पुजारी, गोवर्धन सिंह मांझी पूर्व विधायक व संसदीय सचिव, खगेश्वर नागेश सरपंच ग्राम पंचायत मदांगमुड़ा,दुष्यंत ध्रुवा जिलाध्यक्ष गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति गरियाबंद, बजरंग सिंह पोर्ते प्रांताध्यक्ष गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति उड़ीसा,थानसिंह सोम ब्लाक अध्यक्ष मैनपुर,आनंद मराई सर्कल अध्यक्ष फिंगेश्वर, हलमन ध्रुवा ग्रुप सभापति मुड़गेलमाल तथा सगासमाज के करकमलों से सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम में उड़िसा से आए सगादेवता तिरु.-विक्रम मांझी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में गुरु की महिमाअपार है ,गुरु के बताए हुये मार्ग में चलकर हम समाज को अपने मूल संस्कृति ,रीतिरिवाज व परम्पराओं को अक्षण्य बनाये रखने में सहायक होंगे, तब ही हमारा समाज का सर्वांगीण विकास होगा। अम्बिका मरकाम ने कहा कि हमें समाज में एकता व बन्धुत्व की भावना के साथ संगठन को मजबूत बनाये रखना है। जिससे कि हम सामाजिक रूप में निःस्वार्थभाव से समाज कल्याण में सहभागी बनकर समाज को समृद्ध बनाने में अपनी योगदान दे सकें।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डमरूधर पुजारी विधायक ने कहा कि हमें ऐसे सामाजिक कार्यक्रम सदैव आयोजित करते रहना चाहिए ताकि सामाजिक समरसता व आपसी भाईचारे की भावना बड़ने के साथ सामाजिक संगठन में एकता बनी रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन भागीरथी नागेश ब्लाक कोषाध्यक्ष गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति मैनपुर ने किया।उक्त कार्यक्रम का समापन व आभार प्रदर्शन दुष्यंत ध्रुवा जिलाध्यक्ष गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति गरियाबंद ने किया।

दूसरों जीवन बचाने वाले का जीवन खतरें में, सुधी लेने वाले कोई नहीं- मुरलीधर सिन्हा

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद- गरियाबंद जिला अस्पताल जंगल जमीन में तो बन गया लेकिन विशालकाय साल का वृक्ष के सूखने से ऐसा लगता है कि स्वास्थ्य प्रशासन दुर्घटना का इन्तजार कर रहा है आखिर दूसरों का जीवन बचाने वाले चिकित्सक एवं कर्मचारियों का जीवन खतरे में लगता है । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जागरूक जन प्रतिनिधि मुरलीधर सिन्हा जिला अस्पताल में उपचार कराने गया था तो उन्होंने एक नजर यह विशालकाय सूखे

साल वृक्ष की नजर दौड़ाया तो यह साल का पेड़ सुख गया है जो कभी भी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण कर सकती है जिसमें जन-धन की हानि होने की सम्भावनायें बनी हुई है, यह यह सूखे विशालकाय साल वृक्ष के नीचे भवनों, पानी टँकी, मर्च्युरी घर ब्लड बैंक, चिकित्सक व कर्मचारियों का आवासीय परिसर से गुजर कर 33 केव्हीए की लाइन गई है यदि सूखे पेड़ को समय रहते नहीं काटा गया तो कभी भी बड़ी दुर्घटनाएँ होने की सम्भावना है आखिर दूसरों के जीवन रक्षक करने वालों की चिन्ता जिला प्रशासन एवं विभाग को क्यों नहीं है । भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा ने अविलम्ब दुर्घटना को टालने के लिए उक्त सूखे साल पेड़ को काटने की मांग जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से किया है ।

03 जुलाई को गुरुपूर्णिमा पर गुरु गुणगान महोत्सव कम्पू स्थित महावीर भवन में आयोजित होगा

ग्वालियर-आप ओर हम गुरु भक्त परिवार के तत्वाधान में परमपूज्य मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर महाराज व मुनिश्री विश्वसाम्य सागर महाराज के मंगल सानिध्य में 03 जुलाई सोमवार दोपहर 12 बजे से गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु गुणगान महोत्सव कम्पू स्थित महावीर भवन में बड़े उत्साह के साथ बनाया जाएगा।जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि उपाध्यायश्री विहसंत सागर महाराज व मुनिश्री विश्वसाम्य सागर महाराज कब सानिध्य में 12 बजे से गुरु गुणगान महोत्सव का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ किया जाएगा। वही मंगल चरण के साथ गणाचार्यश्री विराग सागर महाराज चित्र अनवर, दीप प्रज्वलित, गुरु का पादप्रक्षालन, शास्त्र भेंट, संगीतमय गुरु पूजन व मंगल प्रवचन के साथ गुरु अपने शिष्यों को मंगल आशीर्वाद प्रदान करेंगे। गुरु गुणगान महोत्सव में ग्वालियर, भिंड, डबरा, मेहगांव, भितरवार, इटावा, भोपाल, झांसी, घाटीगांव, गोहद, आदि स्थानों से गुरु भक्त पधारेंगे।

वनडे विश्व कप 2023

क्या इस बार अपना अंतिम विश्व कप में खेलेंगे कोहली विराट के खास दोस्त ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली। भारत 12 साल बाद वनडे विश्व कप की मेजबानी करने वाला है। पिछली बार 2011 में उसने श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ मिलकर टूर्नामेंट का आयोजन किया था। यह पहला अवसर होगा जब भारत अकेले इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यह भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का चौथा विश्व कप होगा। माना जा रहा है कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट दिखेंगे। इस बारे जब उनके खास दोस्त वेस्टइंडीज के क्रिस गेल से पूछा गया तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। गेल का मानना है कि विराट इसके बाद एक और विश्व कप खेल सकते हैं।

विराट 2011 में विश्व कप जीतने वाली टीम इंडिया में थे। तब उनकी उम्र 23 साल थी। कोहली उसके बाद 2015 में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीम के भी सदस्य थे। उस समय महेंद्र सिंह धोनी कप्तान थे। इसके बाद 2019 में उनकी कप्तानी में टीम इंडिया सेमीफाइनल में हार गई थी। कोहली इस बार विश्व कप में 2011 में खिताब जीतने वाली टीम के एकमात्र सक्रिय सदस्य के रूप में उतरेंगे।

कोहली अपना चौथा विश्व कप खेलेंगे और गेल को लगता है कि इस स्टार बल्लेबाज के पास एक और विश्व कप खेलने की क्षमता है। गेल ने एक इंटरव्यू में कहा, ÷विराट कोहली के पास अभी भी एक और विश्व कप है। मुझे नहीं लगता कि यह उनका आखिरी विश्व कप होगा।÷ विश्व कप में मेजबान टीम की संभावनाओं पर बोलते हुए गेल ने कहा कि भारत हमेशा जीत का प्रबल दावेदार होता है, खासकर जब वे घर पर खेल रहे हों।

गेल ने कहा, भारत टूर्नामेंट जीतने का दावेदार है। वह इस बार घर में भी खेल रहे हैं। इस बार टूर्नामेंट बहुत दिलचस्प होने वाला है। हम वास्तव में वह टीम देखना चाहते हैं जिसे वे चुनने जा रहे हैं। सबसे पहले वे टीम का चयन करने जा रहे हैं क्योंकि बहुत से लोग दरवाजा भी खटखटा रहे हैं। भारत घरेलू मैदान पर हमेशा दावेदार रहेगा। यह भारतीय टीम पर दबाव भी डालता है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ अक्तूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। वह 15 अक्तूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अहमदाबाद में खेलेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच से पांच अक्तूबर को होगी। वहीं, 19 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। उद्घाटन और फाइनल दोनों मैच अहमदाबाद में ही खेले जाएंगे।

लुसाने डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड जीता

शुरुआत फाउल से की; पांचवें प्रयास में बेस्ट दिया

स्विजरलैंड। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग में शुक्रवार देर रात गोल्ड मेडल जीता। स्विट्जरलैंड के लुसाने शहर में खेली जा रही प्रतियोगिता में नीरज की पहली कोशिश फाउल रही। उन्होंने 5वें प्रयास में 87.66 मीटर भाला फेंका और इसी स्कोर ने उन्हें गोल्ड मेडल दिला दिया। दूसरे नंबर पर रहे जर्मनी के जूलियन वेबर ने 87.03 मीटर का थ्रो कर सिल्वर मेडल जीता। चेक रिपब्लिक के जैकुब वादलेज तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 86.13 मीटर के थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। नीरज का यह इस साल यानी 2023 में दूसरा गोल्ड मेडल है। वे मई में दोहा डायमंड लीग में भी गोल्ड मेडल जीत चुके हैं।नीरज का यह 8वां इंटरनेशनल गोल्ड मेडल है। इससे पहले नीरज एशियन गेम्स, साउथ एशियन गेम्स, ओलिंपिक्स और डायमंड लीग में भी गोल्ड जीत चुके हैं। नीरज के अलावा एक अन्य भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने भी डायमंड लीग में हिस्सा लिया। उन्होंने शुरुआती 5 कोशिशों में 7.75, 7.63, 7.88, 7.59 और 7.66 मीटर की छलांग लगाई। लेकिन ये स्कोर मेडल जीतने के लिए काफी नहीं रहा, वह पांचवें नंबर पर रहे। चौथे प्रयास में नीरज ने फिर फाउल कर दिया, उन पर शुरुआती 3 प्रयास में मेडल लायक स्कोर नहीं कर पाने का दबाव नजर आया। पांचवें प्रयास में नीरज ने अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दिया। उन्होंने 87.66 मीटर दूर भाला फेंका। छठे प्रयास में नीरज कॉन्फिडेंट नजर आए, लेकिन वह 84.15 मीटर दूर ही भाला फेंक सके। छठे प्रयास का ज्यादा असर नीरज के मेडल पर नहीं पड़ा, क्योंकि पांचवें थ्रो में उनका 87.66 मीटर का स्कोर गोल्ड मेडल के लिए काफी रहा। नीरज लुसाने में अपने पर्सनल बेस्ट से 2.28 मीटर दूर रहे। उन्होंने 87.66 मीटर भाला फेंका, जो उनके जून 2022 में स्टॉकहोम डायमंड लीग के पर्सनल बेस्ट स्कोर 89.94 मीटर कम रहा। फिर भी उन्हें भारत के लिए गोल्ड मेडल पक्का किया। हालांकि, उन्होंने लुसाने में अपने ओलिंपिक स्कोर 87.58 मीटर के स्कोर से बेहतर किया। जेवलिन थ्रो का वर्ल्ड रिकॉर्ड चेक गणराज्य के जैन जेलेनी के नाम है। उन्होंने 1996 के दौरान जर्मनी में हुई जेना जीस मीटिंग में 98.48 मीटर का थ्रो फेंक गोल्ड मेडल जीता था। टॉप-5 जेवलिन थ्रो रिकॉर्ड में जेलेनी के 3 स्कोर हैं। एक्टिव प्लेयर्स में जर्मनी के जोनास वेटर ही उनके रिकॉर्ड के पास पहुंच पाए।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर...श्रीलंका ने 21 रन से जीता रोमांचक मुकाबला

नीदरलैंड्स को हराया, प्लेयर ऑफ द मैच डी सिल्वा ने बनाए 93 रन

बुलावायो। धनंजय डी सिल्वा (93 रन) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका ने वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर में रोमांचक जीत दर्ज की। टीम शुक्रवार को सुपर-6 मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 213 रन ही पर ही ऑलआउट हो गई। बुलवायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर 213 रन के जवाब में नीदरलैंड्स का स्कोर एक समय 88 रन पर एक विकेट था। लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजों ने टीम की वापसी कराई और नीदरलैंड्स को 192 रन पर ऑलआउट कर 21 रन से मैच जीत लिया।सुपर-6 में टॉप पर पहुंचा श्रीलंका

नीदरलैंड्स पर जीत के दम पर श्रीलंकाई टीम सुपर-6 की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम के तीन मैचों के बाद 6 अंक हैं। उनके 2 मैच जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी हैं। क्वालिफायर स्टेज में 10 टीमों ने हिस्सा लिया था, अब 6 टीमें बची हैं। लीग स्टेज खत्म होने के बाद टॉप-2 पोजिशन पर रहने वाली टीमें भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने जीरो पर पहला विकेट गंवाया। यहां से दिमुथ करुणारत्ने और कुसल मेंडिस ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 22 रन ही जोड़े थे कि मेंडिल आउट हो गए। रियान क्लेन ने उन्हें स्क्ख्रु कर दिया। नए बैटर सदीरा समरविक्रम एक रन ही बनाकर पवेलियन लौट गए। चरिथ असलंका भी कुछ खास नहीं कर सके और 2 रन के निजी स्कोर पर आउट हुए। मिडिल ऑर्डर में खेलने उतरे धनंजय डी सिल्वा ने 93 रनों की पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। नीदरलैंड्स से लॉगन वान बीक और बास डी लीड्स ने 3-3 विकेट लिए। शाकिल जुल्फिकार को दो सफलताएं मिलीं। जवाबी पारी में नीदरलैंड की ओर से वेस्ले बारसी (52 रन) और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (67 रन) ने अर्धशतक जमाए। बास डी लीड्स ने भी 41 रन का योगदान दिया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। स्कोर डिफेंड कर रही श्रीलंकाई टीम की ओर से महीश तीक्षणा ने 3 विकेट चटकाए, जबकि वनिंदु हसरंगा को दो सफलता मिलीं। लहीरू कुमारा, दिलशान मधुशंका और दासुन शनाका ने आपस में एक-एक विकेट बांटे।

दलीप ट्रॉफी...सेंट्रल और नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में

ईस्ट जोन 129 पर ऑल आउट; सौरभ कुमार ने लिए 8 विकेट

अलुर/बेंगलुरु। सेंट्रल जोन ने दलीप ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया है। टीम ने अलुर में ईस्ट जोन को दूसरी पारी 129 रन पर ऑल आउट किया ओर 170 रन से मुकाबला जीत लिया। सेंट्रल जोन से लेफ्ट आर्म स्पिनर सौरभ कुमार ने 8 विकेट लिए। दूसरे क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ जोन ने नॉर्थ-ईस्ट जोन को 511 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। टीम से पहली पारी में 150 रन बनाने वाले निशांत सिंधु प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दलीप ट्रॉफी मुकाबले कर्नाटक में जारी है। अलुर में पहला क्वार्टर फाइनल ईस्ट और सेंट्रल जोन के बीच खेला गया। मैच के चौथे दिन ईस्ट जोन को 300 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम पहले सेशन में ही 129 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सेंट्रल जोन से सौरभ कुमार ने 8 विकेट लिए। वहीं आवेश खान और शिवम मावी को 1-1 विकेट मिला। ईस्ट जोन से आकाश दीप ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए, बाकी बैटर्स 20 रन का आंकड़ा भी पार नहीं सके। टीम के शांतनु मिश्रा ने 18, अभिमन्यु ईश्वरन ने 11, सुदीप कुमार घरामी ने 0, अनुस्टुप मजूमदार ने 13, शाहबाज अहमद ने 18, रियान पराग ने 14, कुमार कुशाग्र ने 0, मणिशंकर मुरासिंह ने 12, शाहबाज नदीम ने 14 और ईशान पोरेल ने 0 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी सेंट्रल जोन की टीम पहली पारी में 182 रन ही बना सकी। टीम से कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका। मणिशंकर मुरासिंह ने 5 विकेट लिए। ईस्ट जोन अपनी पहली पारी में 122 रन ही बना सका। आवेश खान और सौरभ कुमार ने 3-3 विकेट लिए। सेंट्रल जोन से दूसरी पारी में हिमांशु मंत्री ने 68 और विवेक सिंह ने 56 रन बनाए। टीम का कोई और बैटर 32 से ज्यादा रन नहीं बना सका और टीम 239 रन पर ऑल आउट हो गई। ईस्ट जोन से ईशान पोरेल और शाहबाज अहम ने 3-3 विकेट लिए। पहली पारी में 60 रन की बढ़त और दूसरी पारी में 239 रन बनाने के बाद सेंट्रल ने ईस्ट जोन को 300 रन का टारगेट दिया। लेकिन टीम आखिरी पारी में 129 रन ही बना सकी और मैच हार गई। बेंगलुरु में नॉर्थ जोन ने दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया। टीम ने नॉर्थ-ईस्ट जोन को 511 रन से हराया। नॉर्थ जोन से खिलाड़ियों ने शतक लगाए, निशांत सिंधु ने सबसे ज्यादा 150 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में विकेट भी लिए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। नॉर्थ जोन ने अपनी पहली पारी 540 और दूसरी 259 रन पर डिक्लेयर की। नॉर्थ-ईस्ट जोन की टीम पहली पारी में 134 रन पर ऑल आउट हो गई। 666 रन के टारगेट के सामने टीम दूसरी पारी में भी 154 रन ही बना सकी। पुलकित नारंग ने 4 विकेट लिए।

टीम इंडिया की जर्सी पर अब ड्रीम-11 नजर आएगा

फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग कंपनी 358 करोड़ में मुख्य स्पॉन्सर बनी; 3 साल की डील

टीम इंडिया की जर्सी पर अब क्ड्ढछ्व%ह्य की जगह फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग कंपनी %ष्ठह्म्द्गड्डद्व11% का लोगो नजर आएगा। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ष्ठह्म्द्गड्डद्व11 ने टीम इंडिया की जर्सी के मुख्य स्पॉन्सरशिप राइट्स 358 करोड़ रुपए में खरीदे हैं। यह डील 3 साल के लिए है। क्ड्ढछ्व%ह्य का कॉन्ट्रैक्ट इसी साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद खत्म हो गया था। इस तरह 3 महीने तक भारत का कोई जर्सी स्पॉन्सर नहीं रहा, अब शुक्रवार देर रात क्चष्टढ्ढ ने ड्रीम-11 के साथ पार्टनरशिप के बारे में।

ड्रीम-11 का लोगो भारतीय टीम की जर्सी पर वेस्टइंडीज दौरे से लग जाएगा। भारत की पुरुष और महिला टीम उससे पहले कोई और सीरीज नहीं खेलेगी। वेस्टइंडीज दौरा 12 जुलाई से शुरू होगा। यहां टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 खेलेगी। ड्रीम-11 का कॉन्ट्रैक्ट 2025 के जून में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक बना रहेगा। क्चष्टढ्ढ प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने कहा, %ड्रीम-11 पहले भी क्चष्टढ्ढ के साथ डील कर चुका है। उन्हें फिर से क्चष्टढ्ढ के साथ आने पर बधाई। भारत में वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए डील अहम है। दोनों पार्टनर साथ मिलकर टूर्नामेंट में फैंस का एंगेजमेंट बढ़ाएंगे और उनका एक्सपीरियंस भी बेहतर करेंगे। ड्रीम-11 के ष्टश्वह्र और को-फाउंडर हर्ष जैन ने कहा, %क्चष्टढ्ढ और इंडियन प्लेयर्स के साथ कंपनी लंबे समय से काम कर रही है। नेशनल टीम का लीड स्पॉन्सर बनना कंपनी के लिए प्राइड की बात है। हम भारत में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को बढ़ाने पर भी फोकस कर रहे हैं। इसी साल जून में एडिडास ने टीम इंडिया के किट स्पॉन्सरशिप राइट्स खरीदे। एडिडास टीम इंडिया की जर्सी डिजाइन करेगा और द्विपक्षीय सीरीज में मैचों के दौरान खिलाड़ियों की जर्सी के कंधे वाले हिस्से पर एडिडास रहेगा। वहीं खिलाड़ियों के चेस्ट वाले हिस्से पर ड्रीम-11 लिखा नजर आएगा। एजुकेशन कंपनी बायजू ने 2019 में टीम इंडिया के जर्सी स्पॉन्सरशिप राइट्स खरीदे थे। बायजू ने स्मार्टफोन ब्रांड ओप्पो की जगह ली थी। ओप्पो 2017 से 2019 तक स्पॉन्सर रहा, 2014 से 2017 तक स्टार, 2002 से 2013 तक सहारा इंडिया परिवार और 1993 से 2002 तक विल्स एंड ढ्ढञ्जष्ट कंपनी टीम की लीड जर्सी स्पॉन्सर रही।

दूसरा एशेज टेस्ट- इंग्लैंड 325 रन पर ऑलआउट

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को 221 रन की बढ़त, स्कोर 130/2; ख्वाजा की फिफ्टी

लंदन। द एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही है। लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 325 रन पर ही ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 91 रन की बढ़त मिली, टीम ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 130 रन बना लिए। इस तरह उनकी कुल बढ़त 221 रन की हो चुकी है। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया से उस्मान ख्वाजा ने फिफ्टी लगाई। वह 58 रन बनाकर स्टीव स्मिथ (6 रन) के साथ नॉटआउट लौटे। जबकि ओपनर डेविड वार्नर 25 और मार्नस लाबुशेन 30 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगा। मुकाबले के तीसरे दिन इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी को 278/4 से आगे बढ़ाया। हैरी ब्रूक (50 रन) अपने पिछले स्कोर में 5 रन ही जोड़े सके। उन्हें मिचेल स्टार्क ने पैट कमिंस के हाथों कैच कराया। वहीं कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे दिन कोई रन नहीं बना सके और 17 रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए। लोअर ऑर्डर में जॉनी बेयरस्टो ने 16, स्टुअर्ड ब्रॉड ने 12, ओली रॉबिन्सन ने 9 ओर जोश टंग ने एक रन बनाया। जेम्स एंडरसन खाता खोले बगैर नॉटआउट रहे। टीम 325 रन प ऑलआउट हो गई और ऑस्ट्रेलि को पहली पारी में 91 रन की ली मिली। कंगारुओं की ओर मिचेल स्टार्ट ने तीन विके चटकाए, जबकि जोश हैजलवु और ट्रेविड हेड को दो-दो विके मिले। पैट कमिंस, नाथन लाय और कैमरून ग्रीन को एक-ए विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों ने उसे फ्रंट फुट पर ख कर दिया है। स्टार्क ने ती हैजलवुड-हेड ने दो-दो विके लिए। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों उसे फ्रंट फुट पर खड़ा कर दि है। स्टार्क ने तीन, हैजलवुड-हेड दो-दो विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका

बैशाखी के सहारे चलते दिखे नाथन लियोन, एशेज से हो सकते हैं बाहर

लंदन। ऑस्ट्रेलिया को एशेज सीरीज के बीच में बड़ा झटका लगा है। दिग्गज ऑफ स्पिनर नाथन लियोन लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए। वह अब पूरी सीरीज से बाहर हो सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि लियोन पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान पर नहीं उतरे हैं। उनकी चोट गंभीर है और उन्हें ठीक होने में समय लग सकता है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम द्वारा की गई पुष्टि के बाद ऐसा माना जा रहा है कि लियोन बाकी बचे तीन टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। वह शुक्रवार को लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन बैसाखी के सहारे चलते नजर आए। वह मैच के दूसरे गेंद को पकड़ने के प्रयास में चोटिल हुए थे। उन्होंने पहली पारी में जैक क्रॉली का विकेट लिया था। अभी यह नहीं बताया गया कि

लियोन कब तक बाहर रहेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने बयान में कहा, %%लॉर्ड्स टेस्ट समाप्त होने के बाद लियोन को रिहैबिलिटेशन की आवश्यकता होगी। सीरीज के बाकी बचे मैचों में उनके खेलने को लेकर बाद में फैसला लिया जाएगा।÷ मैच के तीसरे दिन जब लियोन लॉर्ड्स पहुंचे तो विपक्षी टीम के कप्तान बेन स्टोक्स उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने लियोन से चोट के बारे में पूछा और उन्हें सांत्वना दी। लियोन ने शुक्रवार की सुबह अपने स्पिन गेंदबाजी बैक-अप टॉड मर्फी से बात करने में समय बिताया। मर्फी ने इस साल भारत दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था। उनका अगले हफ्ते हेडिंग्ले में खेलना तय माना जा रहा है। मिचेल स्वेपसन और मैथ्यू कुह्नमैन टीम में लियोन की जगह लेने के प्रमुख दावेदार हैं। अपने सबसे भरोसेमंद गेंदबाज के बिना इस मैच में जीत हासिल करना पैट कमिंस की टीम के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। पिच पहली पारी की तुलना में ज्यादा सपाट नजर आ रही है। ऐसे में देखना होगा कि पैट कमिंस क्या तोड़ निकालते हैं। उन्होंने पहली पारी में ट्रेविस हेड से गेंदबाजी करवाई। इस पार्टटाइम स्पिनर ने दो विकेट भी लिए। उनके अलावा टीम में स्टीव स्मिथ और मार्नश लाबुशेन भी स्पिन गेंदबाजी कर सकते हैं।

ट्रैक पर आयुष्मान

अभिनेता आयुष्मान खुराना शायद इन दिनों स्टारडम की पिछली गली में भटक रहे हैं। खास तौर से फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' के बाद से उनकी स्थिति काफी डांवाडोल हुई है। आयुष्मान अपनी गायकी को हमेशा अलग ट्रेक पर रखना चाहते हैं। वैसे यही उनकी फिल्मी सफलता का बड़ा कारण भी बनी। मगर बाद में कुछ एजेंडाधारी निर्देशकों की वजह से उनका बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। अब वह फिर से 'बधाई हो' जैसी शुद्ध मनोरंजक फिल्मों को पहली प्राथमिकता दे रहे हैं। उम्मीद है कि अगस्त में रिलीज होनेवाली फिल्म 'ड्रीम गर्ल-2' में उनका फिर वही पुराना अंदाज देखने को मिलेगा।

सारा का जवाब

अंततः काफी दिनों के बाद अभिनेत्री सारा अली खान ने अपने आलोचकों को पहला जवाब दिया है। उनकी फिल्म 'जरा हट के,जरा बच के' ने अच्छी कमाई की है। हाल ही में इसके हीरो विकी के साथ उन्होंने एक और नई फिल्म साइन की है। यही नहीं 'हीरो नं-1' के एक अरसे बाद वरुण धवन के साथ भी उन्हें एक फिल्म मिली है। इसके साथ ही उनकी फिल्म ए वतन मेरे वतन,मर्डर मुबारक आदि को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

लीड रोल के लिए तैयार शिवांगी

शिवांगी जोशी पिछले कुछ बरसों में टीवी पर अपनी एक अच्छी पहचान बनाने में सफल हुई है। देहरादून की शिवांगी को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली स्टार प्लस के सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से। इस सीरियल में नायरा के किरदार ने शिवांगी को कुछ ही दिनों में टीवी स्टार बना दिया था। यूं शिवांगी बेगूसराय, बालिका वधू-2 और खतरों के खिलाड़ी सहित कुछ और भी टीवी शो कर चुकी है। अब शिवांगी को 'बरसातें' का इंतज़ार है। बता दें कि शिवांगी को मानसून की नहीं बल्कि एकता कपूर की बरसातें का इंतज़ार है। क्योंकि एकता कपूर के नए सीरियल 'बरसातें-मौसम प्यार का' में शिवांगी लीड रोल कर रही है। जिसका प्रसारण 10 जुलाई से सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे सोनी चैनल पर होने जा रहा है। यह एक प्रेम कहानी है जो नफरत से प्यार में बदलती है। जिसमें कुशाल टंडन, प्रार्थना मंडल,अर्शी भारती, अंजलि तत्रारी और साई रानाडे अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अनुष्का को पसंद प्रियंका

टीवी की अधिकतर अभिनेत्रियां किसी न किसी फिल्म स्टार से प्रेरित या प्रभावित दिखती हैं। इसी कड़ी में एक नाम अनुष्का श्रीवास्तव का भी है। जो स्टार भारत के सीरियल 'मेरी सास भूत है' में सौतन ट्विंकल का रोल कर रही है। यूं सास-बहू की मुख्य भूमिकाओं में सुस्मिता मुखर्जी और काजल चौहान हैं। उधर लीप के बाद इस शो की कहानी आये दिन नए मोड़ से गुजर रही है। अनुष्का अपनी इस सौतन की भूमिका से तो अच्छी-ख़ासी उत्साहित है। साथ ही वह यह बताना नहीं भूलती कि प्रियंका चोपड़ा उसे बेहद पसंद है। अनुष्का कहती है- मैं बिहार से हूं और प्रियंका भी उस जमशेदपुर से हैं जो झारखंड बनने से पहले बिहार का ही हिस्सा था। मेरा पहला लगाव तो उनसे इसलिए भी है। फिर प्रियंका की अभिनय यात्रा इतनी शानदार रही है कि मैं और अन्य कई नयी अभिनेत्रियां उन जैसा बनना चाहती हैं। मुझे उनका अभिनय और अंदाज़ हमेशा प्रेरित करता है।

'गदर 2' की रिलीज से पहले अमीषा पटेल ने लगाए डायरेक्टर पर गंभीर आरोप

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और एक्ट्रेस अमीषा पटेल की आगानी फिल्म 'गदर 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है. जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट पास आ रही है वैसे-वैसे ही फैंस के बीच इसको लेकर उत्सुकता बढ़ रही है. लोग तारा और सकीना की कहानी को एक बार फिर बड़े पर्द पर देखने का काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हालांकि फिल्म के रिलीज से पहले ही अभीनेत्री अमीषा पटेल ने इसके डायरेक्टर अनिल शर्मा पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल एक्ट्रेस अमीषा ने एक के बाद एक कई ट्वीट्स करके अपनी भड़ास निकाली है. इसके अलावा उन्होंने उस सीन का भी खुलासा किया है जिसमें सनी देओल एक कब्र के पास बैठकर रोते दिखाई देते हैं. इस सीन को देखने के बाद लग रहा था कि फिल्म में सकीना की मौत हो जाएगी, लेकिन एक्ट्रेस ने बताया है कि यह सकीना की डेड बॉडी नहीं है. साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वह अभी खुलासा नहीं कर सकतीं कि यह डेड बॉडी किसकी है। बता दें कि, अमीषा पटेल ने अपने एक ट्वीट में खराब व्यवस्था पर भी बात की है. उन्होंने लिखा, 'ठहरने की व्यवस्था से लेकर शूट के आखिरी दिन चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जाने और खाने के बिल तक का कोई भुगतान ही नहीं किया गया था. कई कास्ट और क्रू मेंबर्स को तो कार तक नहीं मिली थी लेकिन जी स्टूडियोज ने एंट्री की और इन सभी समस्याओं का हल कर दिया. जो कि अनिल शर्मा प्रोडक्शंस की वजह से खड़ी हुई थीं। अमीषा पटेल के आरोपों पर अभी तक फिल्म से जुड़े किसी और स्टार ने बात नहीं की है. बहरहाल फिल्म बड़े पर्दे पर 11 अगस्त को रिलीज होगी, जिसका निर्देशन अनिल शर्मा ने किया है।

फिल्मी गलियारे से दूर अरशद

अभिनेता अरशद वारसी इधर फिल्मी सक्रियता से काफी दूर हैं। दूसरी ओर वेब सीरीज 'असुर' के बाद उनकी अलग पहचान बनी है। अमेजोन के प्राइम टाइम की नयी सीरीज 'माडर्न लव मुंबई' में उनके किरदार डेनियल की भी सराहना हुई है। असल में कुछ दिनों से उन्हें ऐसा लग रहा है कि फिल्मों में उन्हें लगभग ज़ाया किया जा रहा है। पिछली बार वह फिल्म बच्चन पांडे के एक साधारण से रोल में दिखाई पड़े थे। इसलिए इंडस्ट्री में अच्छे संबंधों के चलते कोई फिल्म वह नहीं करना चाहते हैं। उनके मुताबिक, इतने साल हो गए हैं,वह अब और अच्छे रोल के लिए भटकना नहीं चाहते हैं। उन्हें दुख है कि उन्होंने ऐसी फिल्मों में ज्यादा काम किया है,जिनकी चर्चा सिने बाजार में कम ही होती है।

सिल्वर स्क्रीन

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के बारे में कुछ ऐसा ही कहा जा रहा है। कभी रनवे 34, डाक्टर जी,थैंक गॉड, कठपुतली, छतरीवाली जैसी कई फिल्मों में दिखाई देनेवाली रकुल के पास इन दिनों कम ही फिल्में हैं। ऐसे में नवम्बर में आनेवाली तमिल फिल्म 'अयालान' पर उन्हें बहुत भरोसा है। यह एक साइंस फिक्शन कॉमेडी फिल्म है। इसके हीरो शिवा कार्तियान तमिल फिल्मों के नामचीन अभिनेता हैं। लेकिन इससे रकुल ज्यादा खुश नहीं है। वह फिर से बॉलीवुड में धाक जमाना चाहती है। शायद इसलिए बॉलीवुड के गॉसिप गलियारे से उन्होंने अपने आपको दूर रखा है। वह सब कुछ भूलकर अब हिंदी फिल्मों में एक नया मुकाम तलाश करना चाहती है।

चैनल चर्चा

इन दिनों फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर खूब विवाद जारी है। इस फिल्म में भगवान राम और बजरंगबली की छवि तो खराब दिखाई ही है। फिर संवाद तो इतने अभद्र हैं कि दर्शकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। फिल्म के कुछ संवाद चाहे बदल दिये गए हैं। लेकिन करोड़ों जनों के आराध्य की जो तस्वीर फिल्म में दिखाई उसे देख दुख होता है। इसी के चलते सभी को 36 साल पुराना वह 'रामायण' सीरियल याद हो आया, जिसका निर्माण रामानन्द सागर ने किया था। जिसे देखने के लिए लोग स्नान कर धूप-अगरबत्ती जलाकर ज़मीन पर बैठते थे। कोरोना काल में जब इस 'रामायण' का प्रसारण फिर से हुआ तो इसे पहले से भी कहीं ज्यादा देखा गया। यही सब देख सागर की 'रामायण' को शेमारू टीवी ने फिर से दिखाने का फैसला लिया है। जिसका प्रसारण 3 जुलाई से प्रतिदिन शाम 7.30 के समय में होगा। सीरियल में राम के रूप में अरुण गोविल, सीता के रूप में दीपिका चिखलिया और लक्ष्मण के रूप में सुनील लहरी ने तो अविस्मरणीय अभिनय किया ही है। रामानन्द सागर के पटकथा और संवाद तथा रवीन्द्र जैन का संगीत भी कानों में रस घोलने के साथ श्रद्धा से सीस झुकाने को विवश कर देता

अंतराष्ट्रीय कवि व गीतकार अमन अक्षर ने ग्वालियर से की एकल काव्य पाठ यात्रा की शुरुआत

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर–÷राम गीत÷ से देश भर में नाम कमाने वाले अमन अक्षर,द सोलटॉक और क्लैप प्रोजेक्ट के सौजन्य से ÷ एकल काव्य पाठ÷ की श्रृंखला शुरू कर रहे हैं,जिसमें पहले पड़ाव में मध्य प्रदेश और राजस्थान के प्रमुख शहर ग्वालियर,सागर,भोपाल,जयपुर,जोधपुर और इंदौर हैं।इसी कड़ी में 30 जून को ग्वालियर के प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, डी डी नगर के सभागार में शाम 5 बजे से उनके गीतों की महफ़िल सजाई गई।कार्यक्रम बारिश की वजह से थोड़ा विलंब से शुरू हुआ लेकिन इसके बावजूद दर्शकों और सुनने वालों का अभूतपूर्व प्रेम अमन अक्षर जी को मिला।ऑडियंस शुरु से आख़िरी तक हर गीत और हर मुक्तक पर तालियों की गड़गड़ाहट से अपनी उपस्थिति दर्ज करवाती रही।आख़िरी गीत भाव सिर्फ़ राम है पर दर्शक दीर्घा में मौजूद सभी लोगों ने खड़े होकर तालियाँ बजायी।कार्यक्रम का संचालन कवि आशीष द्विवेदी जी ने किया।कार्यक्रम के शुरुआत में कॉलेज के द्वारा पुष्पगुच्छ से सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया।उसके बाद शायर अमर सक्सेना और जितेंद्र तिवारी ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया प्रेस्टीज कॉलेज के फैकल्टी डॉ

आकाश जी का भी कार्यक्रम को सुंदर बनाने में बेहद सहयोग रहा।कार्यक्रम के बाद बहुत सारे लोगों ने मिलकर अमन अक्षर जी को इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएँ दी और बताया कि ये कार्यक्रम उनके जीवन के सबसे एक कार्यक्रमों में से एक रहा।'द सोलटॉक-लिटरेचर सोसायटी'और क्लैप प्रोजेक्टऔर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी,ऑटोरिस्पांसर,कौटिल्य अकादमी,ओजल जैसी नामचीन संस्था जुड़ी हुई है।ग्वालियर में साहित्य की अग्रणी संस्था 3 ए.एम. क्लब की भी बड़ी सहभागिता रही।प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑ? मैनेजमेंट एंड रिसर्च का भी विशेष सहयोग रहा।

बीएड की संबद्धता प्रकिया पूरी, सवा करोड के भ्रष्टाचार की जांच ठंडे बस्ते में

ग्वालियर. जीवाजी विश्वविद्यालय में बीएड की संबद्धता प्रक्रिया बीते शुक्रवार को पूरी हो गई है ,यानी जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध बीएड कॉलेजों को संबद्धता दे दी गई है। लेकिन इस संबद्धता के बीच हुए सवा करोड़ के घोटाले की जांच अब पूरी तरह से ठंडे बस्ते में है। ना तो जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति इस पर जांच करा रहे हैं और ना ही निष्पक्ष जांच का दावा करने वाले कार्य परिषद सदस्य कोई ठोस कदम उठा रहे हैं। उल्लेखनीय है इस मामले में जीवाजी विश्वविद्यालय के कार्य परिषद सदस्य का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कुलपति प्रोफेसर अविनाश तिवारी से संबद्धता देने के एवज में लाखों रुपए की डील

करता सुनाई दे रहा था।

जांच अधिकारी ने भी नाम वापस लिया–इस मामले की जांच के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अविनाश तिवारी ने सेवानिवृत्त जज एमके मुद्गल को जांच अधिकारी नियुक्त किया था। लेकिन वह जीवाजी विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्र हैं इस कारण उनका विरोध हुआ और विरोध के चलते उन्होंने अपना नाम जांच अधिकारी से वापस ले लिया।

इसी मेंबर के दावे भी झूठे–जब यह मामला उजागर हुआ था तब कार्यपरिषद सदस्यों ने अपने अपने स्तर पर बड़े-बड़े दावे किए थे। किसी ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की किसी ने भोपाल पत्र लिखें, तो कोई खुद ही भोपाल जाकर मामले की शिकायत करने की बात करता नजर आया। लेकिन जब यह सब धरातल पर करने की बात आई तो इन सभी कार्य परिषद सदस्यों के दावे झूठे साबित हुए।

फायर सेफ्टी ना होने पर 48 अस्पतालों, नौ स्कूलों और एक होटल को नोटिस

ग्वालियर । मध्यप्रदेष भूमि विकास नियम 2012 एवं बिल्डिंग कोड 2016 के परिपालन में फायर सेफ्टी न होने पर नगर निगम की फायर ब्रिगेड शाखा ने 48 अस्पतालों, नौ स्कूलों और एक होटल को नोटिस जारी किया है। नोटिस में निर्देश दिए गए हैं कि सात दिन के अंदर फायर सेफ्टी के मानकों के अनुरूप उपाय कर निगम से फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त करें। ऐसा न करने पर संस्थान को सील कर एफआइआर दर्ज कराई जाएगी।उपायुक्त डा. अतिबल सिंह ने बताया कि इसमें होटल मिड्वे और स्कूलों में ईसीएस बैगलेस स्कूल, टीपीएस स्कूल, हरिओम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देहली पब्लिक

आवासीय स्कूल, मदर टैरेसा पब्लिक स्कूल, री-डीटल स्कूल, नोवल कान्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल, ओरेकल पब्लिक स्कूल और आदित्य वर्ल्ड स्कूल शामिल हैं। इसके अलावा बंसल हास्पिटल, ऐप्पल हास्पिटल, मयूर नर्सिंग होम, गुर्जर हास्पिटल, साईं श्रद्धा हास्पिटल, विंध्या हास्पिटल, संकल्प हास्पिटल, मेमोरियल हास्पिटल, गोयल हास्पिटल, सुयश हास्पिटल, अमरनाथ मल्टीस्पेशियलिटी हास्पिटल, लाइफ केयर हास्पिटल, वैभव हास्पिटल, आयुष्मान हास्पिटल, जयबो आई हास्पिटल, प्रयास चिल्ड्रन हास्पिटल, एलिस मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, जोश मेटरनिटी हास्पिटल, एसएम हास्पिटल, साहू हास्पिटल, भारत हास्पिटल, सुविधा हास्पिटल, सहयोग हास्पिटल, श्री हास्पिटल, जेके हास्पिटल, प्रेम हास्पिटल, श्री आनंदपुर ट्रस्ट जनरल सांई हास्पिटल, सेंट जोसेफ हास्पिटल, सांई बाबा हास्पिटल, बीएमजी मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, व्हीआईएमएस हास्पिटल, नाकोडा शिक्षा समिति ग्वालियर सिटी हास्पिटल, श्री राम हास्पिटल, सर्वधर्म हास्पिटल, पृथ्वी हास्पिटल, प्रोस्टन हास्पिटल एंड कालेज, आयुक्ता हास्पिटल, होप वैल हास्पिटल, वेदांता हास्पिटल, निदान नर्सिंग होम, ब्रह्माणी हास्पिटल, रेटीन आई हास्पिटल, ग्वालियर हास्पिटल, आर आर हास्पिटल, आकाश हास्पिटल, पेराडाइज हास्पिटल आदि शामिल हैं।

अचलेश्वर मंदिर के 16 दानपात्रों में निकले 19 लाख 86 हजार 600 रुपये

ग्वालियर, अचलेश्वर मंदिर के दानपात्र साढ़े तीन माह में शनिवार सुबह नवगठित समिति के अध्यक्ष हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस एनके मोदी की निगरानी में खोले गए। 16 दानपात्रों में 19 लाख 86 हजार 600 रुपये चढ़ौती निकली। अभी दो लाख के लगभग दस-दस के नोटों की गिनती होना शेष है। इनकी गिनती सोमवार को की जाएगी। दानपात्र में चिट्ठियां भी निकली हैं। महाशिवरात्रि पर हुई चढ़ौत्री भी इस राशि में शामिल हैं। दानपात्र सुबह साढ़े नौ बजे खोलना शुरू हुए थे। पहले नोटों की छटाई की गई। इसके बाद गिनती हुई। दानपात्र से निकले रुपयों की गिनती में कोषालय, बैंक कर्मियों और पटवारी सहित 60 कर्मचारियों की मदद ली गई थी। दानपत्र से निकली राशि को रात में ही बैंक में जमा करा दी गई।

11 घंटे हुई नोटों की गिनती–लेखापाल वीरेंद्र शर्मा ने बताया मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष एनके मोदी के निर्देश पर मंदिर के सभी दानपात्रों को नटराज सभागार में लाया गया। अधिकारियों की मौजूदगी में इन दानपात्रों को सुबह साढ़े नौ बजे खोला गया। और दानपात्र को खाली कर लाक किया गया। सबसे पहले नोटों की छटाई करने के बाद गिनती की गई। छटाई में दो हजार, पांच सौ के, दो सौ, 100, 50, 20 व 10 के नोटों को अलग-अलग कर गड्डियां बनाई गईं। इसी तरह सिक्कों को भी अलग किया गया।

भोले नाथ मेरे शादी करा दो–दानपत्रों में नोटों के साथ भगवान अचलनाथ के नाम पर लिखी गईं चिट्ठी भी निकली हैं। श्रद्धालुओं ने कागज पर लिखकर अपनी व्यथा भोलेनाथ से बयां की है। किसी ने लिखा है कि है- भोले नाथ मेरी शादी हो जाये। मेरी नौकरी लग जाये।

चार्टर्ड चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस पर हुआ सीए आशीष पारीक का सम्मान

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। सिटी सेंटर स्थित चार्टर्ड अकाउंटेंट ÷आशीष पारीक ÷ के कार्यालय पर जाकर ÷संस्कार मंजरी÷ की संस्थापिका नीलम जगदीश गुप्ता द्वारा एवं अन्य सहयोगियों द्वारा ÷चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस÷ पर सी ए ÷आशीष पारीक÷ को उनके द्वारा निरंतर उत्कृष्ट सेवाओं एवं सहयोग प्रदान करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जगदीश गुप्त महामना, सुरेंद्र पाल सिंह कुशवाहा, रामचरण ÷रुचिर ÷ आदि ने ÷आशीष पारीक÷ को माल्यार्पण कर स्वागत किया। शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र ÷संस्कार मंजरी÷ की संस्थापिका एवं संयोजक नीलम जगदीश गुप्त द्वारा भेंट कर सम्मानित किया गया। ÷चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस ÷ पर सभी ने उनको हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां दीं । इस अवसर पर उनके कार्यालयीन कर्मचारी गण एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

उपलब्ध हैं।
फाइनेंस / लोन / होम लोन
ग्वालियर मुरैना बामोर गोहद मालनपुर डबरा इत्यादि जगह में आप मकान खरीदने ओर प्लॉट खरीद कर मकान बनाने के लिए लोन के हैं जरुरत तो करें हमसे संपर्क।
संपर्क करें
07974596469

प्रो. अमित मो. 7772843302 9617243208
श्री हनुमते नमः
प्रो. दीपक मो. 9639422665 7024015532
जय दंदरौआ सरकार इन्टरप्राइजेज
डिस्पोजल
दोना पत्तल, डिस्पोजल प्लेट, ग्लास, पत्ते वाली पत्तल, दोने निर्माता एवं थोक विक्रेता
शादी, पार्टी एवं अन्य शुभ कार्यो आदि में सभी सामान फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है

पुष्पांजली टुडे
आम सूचना / कोर्ट नोटिस
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1120
10×4 cm 1400
12×4 cm 1680
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

पुष्पांजली टुडे
गुमशुदा / खोया -पाया
नाम परिवर्तन
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1050
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478